E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -129 | प्रयागराज, बुधवार 30 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

चीनी डिवाइस की वजह से मारा गया पहलगाम का मास्टरमाइंड,सिग्नल से लोकेशन,बारिश से बचने के लिए लगाए टेंट से मिला ठिकाना

श्रीनगर। 28 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 11 बज रहे थे। सेना और पुलिस की टीमों ने श्रीनगर से 22 किमी दूर दाचीगाम के जंगलों में घेराबंदी कर दी। यहां के लिडवास एरिया के जंगलों में आतंकियों की लोकेशन पता चली थी। 6 घंटे चले एनकाउंटर में तीन आतंकी मार गिराए गए। इनमें एक सुलेमान उर्फ आसिफ भी है। सुलेमान 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम की बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में शामिल था। इस हमले में तीन आर्तकियों ने पहलगाम घूमने आए 25 टूरिस्ट और एक लोकल गाइड की हत्या कर दी थी। सोर्स के मुताबिक, सुलेमान के साथ मारे गए बाकी दो आतंकी जिब्रान और हमजा अफगानी हैं। तीनों पाकिस्तानी बताए जा रहे हैं।सिक्योरिटी फोर्स को दाचीगाम के जंगलों से कम्युनिकेशन डिवाइस के सिग्नल मिले थे। इसी के बाद यहां सर्च ऑपरेशन चलाया गया।एनकाउंटर में मारे गए तीनों आतंकियों की पहचान पर देर रात तक कन्फ्यूजन बना रहा। कश्मीर जोन पुलिस ने रात 8:16 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि मारे गए तीनों आतंकियों की पहचान की जा रही है। दरअसल कन्फ्यूजन सुलेमान नाम पर रहा। पहलगाम अटैक में शामिल हाशिम मूसा का एक नाम सुलेमान है। हाशिम मूसा के करीबी आतंकी का नाम भी सुलेमान है। वह भी पहलगाम हमले में शामिल था। ऑपरेशन महादेव में मरने वाला हाशिम मूसा है या सुलेमान, सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। मारे गए तीनों आतंकी- 1. सुलेमान उर्फ आसिफ- पाकिस्तान का रहने वाला सुलेमान आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर था। ये अक्टूबर, 2024 में सोनमर्ग में टनल प्रोजेक्ट पर हुए आतंकी हमले में शामिल था। इस हमले में 7 लोग मारे गए थे। पहली बार इसकी पहचान 2024 में ही मारे गए आतंकी जुनैद के फोन में मिले फोटो से हुई थी। 2. जिब्रान- जिब्रान लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। इसका कोड नाम यासिर और हारिस बताया जा रहा है। जिब्रान भी सुलेमान के साथ सोनमर्ग टनल अटैक में

शामिल बताया जा रहा है। 3. हमजा अफगानी- हमजा अफगानी उर्फ अबू हमजा विदेशी आतंकवादी था। नाम में अफगानी जुड़े होने की वजह से इसे अफगान मूल के होने का अंदेशा है। यह लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल से जुड़ा था। इसके भी पहलगाम अटैक में शामिल होने का शक है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 20 किमी में फैले घने जंगल में छिपे थे आतंकी श्रीनगर से करीब 22 किमी दूर दाचीगाम नेशनल पार्क है। इस नेशनल पार्क के आसपास 20 किमी तक घना जंगल है। ये कश्मीर के सबसे घने जंगलों वाला एरिया है। इन जंगलों में आबादी नहीं रहती। दाचीगाम से नीचे की तरफ लिडवास एरिया है। दाचीगाम के दूसरे छोर से पहलगाम से जुड़े त्राल के जंगल हैं। आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सोर्सेज से पता चला है कि इसी जगह आतंकियों ने हाइड आउट यानी खुफिया ठिकाना बना रखा था। करीब दो हफ्ते पहले सिक्योरिटी फोर्स को एक सिग्नल मिला। ये सिग्नल अल्ट्रासेट कम्युनिकेशन डिवाइस का था। ऐसा ही सिग्नल 22 अप्रैल को पहलगाम की बायसरन घाटी में मिलने की जानकारी थी। अल्ट्रासेट सैटेलाइट फोन होता है। आतंकी इसके जरिए एक-दूसरे से कॉन्टैक्ट करते हैं।इसके बाद आतंकियों की सटीक लोकेशन की जानकारी जुटाई गई। इसके आधार पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन महादेव रखा गया। सोर्स बताते हैं कि बीते 3-4 दिन से इस एरिया में लगातार बारिश हो रही थी। इस वजह से आर्तकियों ने अपने ठिकाने के ऊपर तिरपाल लगा लिया था। यहीं खाने-पीने का भी इंतजाम था। इससे घने जंगल में भी आतंकियों की लोकेशन ट्रेस करना आसान हो गया।दाचीगाम का जंगल करीब 20 किमी एरिया में

फैला है। घने पेड़ों की वजह से ये पता नहीं चलता कि अंदर कौन रह रहा है। घने जंगलों की वजह से यहां निगरानी करना भी मुश्किल है। 2024 में भी दो बार यहां आतंकियों के छिपे होने का इनपुट मिला था। पहला मामला 10 नवंबर 2024 का है। तब जबरवान-डाचगल के जंगलों में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन उस समय कोई आतंकी नहीं मिला। इसके बाद से मिलते हैं। ये काफी घना जंगल हैं। इनमें बने आतंकियों के हाइड हाउट आसानी से देखे नहीं जा सकता है। इन्हीं हाइड आउट में लगातार छिपे रहने और कोई कम्युनिकेशन सिस्टम इस्तेमाल नहीं करने की वजह से आतंकियों की लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो रहा था। दाचीगाम के जंगलों से मिले कम्युनिकेशन सिग्नल की मदद से आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद 2-3 दिसंबर 2024 को सुरक्षा बलों ने दाचीगाम के जंगलो में ऑपरेशन चलाया था। इसमें आतंकी जुनैद अहमद भट्ट को मार गिराया गया। जुनैद हाशिम मूसा का करीबी था। एनकाउंटर से दो महीने पहले जुनैद अहमद भट्ट गगनगिर में टनल प्रोजेक्ट पर हमले में शामिल था। इस हमले में 6 मजदूरों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई थी। जुनैद के फोन से एक फोटो मिली थी, जिसमें हाशिम मूसा भी दिख रहा था। इस फोटो में कुल 4 आतंकी थे। इन्हीं आर्तकियों के पहलगाम अटैक में शामिल होने की आशंका जताई गई। इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।पहलगाम हमले के बाद दैनिक भास्कर ने डिफेंस एक्सपर्ट के हवाले से अंदेशा जताया था कि बायसरन घाटी में अटैक करने वाले आतंकी त्राल के जंगलों के रास्ते 20 किमी चलकर आए थे। दाचीगाम के जंगल में जहां ऑपरेशन महादेव चलाया गया, वह सड़क के रास्ते पहलगाम से करीब 100 किमी दूर है। हालांकि, जंगल के रास्ते ये दूरी सिर्फ 40 से 50 किमी रह जाती है। पहलगाम से सटे त्राल के जंगलों का आखिरी और दाचीगाम के जंगल का शुरुआती छोर एक दूसरे

राजनाथ ने ऐसा क्या कहा, तमतमाकर खड़े हुए राहुल,गोगोई बोले- हमारे पास सिर्फ 35 राफेल; पहले दिन की बहस में कौन भारी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- भारतीय सेना के हमलों से पड़ोसी देश पूरी तरह हार मान चुका था, पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर की गुहार लगाई गई। राजनाथ की ये बात सुनते ही राहुल गांधी खड़े हो गए और पूछा- फिर आपने ऑपरेशन रोका क्यों? इसके बाद राजनाथ सिंह विपक्ष के नेता को शांत कराते दिखे। सोमवार को तीन बार स्थगन के बाद 2 बजे कार्यवाही शुरू हो सकी। सत्ता पक्ष की तरफ से बहस की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दोपहर 2 बजकर 3 मिनट पर की। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकवादी, ट्रेनर्स, प्रशिक्षक और हैंडलर मारे गए। भारत की एस-400, आकाश, एयर डिफेंस गन्स बहुत प्रभावी शामिल हुईं। भारतीय वायुसेना के जबरदस्त हमलों, बॉर्डर पर थल सेना की मजबूत जवाबी कार्रवाई और इंडियन नेवी की तरफ से हमले के डर ने पाकिस्तान को झुकने पर मजबूर कर दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा मकसद युद्ध करना या पाकिस्तान की जमीन पर कब्जा करना नहीं था। विपक्ष को नसीहत दी- विमान गिरने जैसे सवाल नहीं पूछने चाहिए। अपने भाषण में राजनाथ सिंह कुछ पुरानी बातों का जिक्र कर विपक्ष को नसीहत भी दे गए. 1962 में चीन युद्ध के समय विपक्ष ने पूछा था कि हमारे देश की धरती पर दूसरे देश का कब्जा कैसे हुआ। हमारे सैनिक कैसे हताहत हुए। उस वक्त मशीनों और तोपों की चिंता न करके हमने देश की टेरिटरी की चिंता की। 1971 के युद्ध में विपक्ष ने राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की प्रशंसा की। हमने ये नहीं पूछा कि कितने प्लेन गिरे। अटल जी ने संसद में सरकार की प्रशंसा की थी। दरअसल, राजनाथ सिंह विपक्ष को ये बताने की कोशिश कर रहे थे कि ऑपरेशन में कितने राफेल गिरे, ऐसे सवाल नहीं पूछने चाहिए। रक्षा मंत्री ने एग्जाम्पल भी दिया- लक्ष्य बड़े हो तो अपेक्षाकृत छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं जाना चाहिए क्योंकि जब बच्चा अच्छे मार्क्स लाता है तो यह नहीं पूछते कि उसने पेंसिल कितनी तोड़ी। इस दौरान वो मुस्कुरा रहे थे। चौपाइयों और कोट्स के बीच अंग्रेजी में विपक्ष का धन्यवाद दिया.ऑपरेशन सिंदूर पर राजनाथ बोले- यह सिंदूर की लाली, शौर्य की कहानी, भारत के मस्तक पर वीरता की निशानी है। उन्होंने 'जिन मोहि मारा, ते मैं मारे' जैसी चौपाई भी कोट की।राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को निशाने पर लेते हुए कहा- बैर और प्रीति बराबरी वालों से करनी चाहिए। शेर यदि मेंढकों को मारे, तो उसका बहुत अच्छा संदेश नहीं जाता है। वी. एस. नायपाल को कोट करते हुए कहा- पाक में अल्टरनेट और विरोधाभाषी

रियलटी है- यहां युद्ध ही शांति, गुलामी ही स्वतंत्रता है और अज्ञानता ही ताकत है।राजनाथ सिंह ने एक जगह ऑपरेशन सिंदूर के समय सरकार और सेना का साथ देने के लिए सभी विपक्षी दलों का शुक्रिया भी अदा किया, लेकिन ये बात वो अंग्रेजी में बोले और उसका हिंदी अनुवाद भी नहीं बताया। राजनाथ सिंह का पूरा भाषण 56 मिनट चला। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर तीखे सवालों की झड़ी लगा दी। राजनाथ सिंह के बाद ठीक 3 बजे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई भाषण के लिए खड़े हुए। गोगोई के हाथ में स्पीच का कोई पेपर नहीं था। उन्होंने सरकार और रक्षा मंत्री पर सवाल दागने शुरू किए.पहलगाम की बायसरन में हजारों लोग खुशियां मनाने जाते हैं। वहां पांच दहशतगर्द कैसे आ गए?आतंकियों का मकसद जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तबाह करना और साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था। राजनाथ सिंह ने नागरिकों की एकजुटता पर कुछ क्यों नहीं बोला?हमले को 100 दिन गुजर गए, उन 5 दहशतगर्दों को अब तक पकड़ क्यों नहीं पाए?लगातार जम्मू-कश्मीर में हो रहे हमलों की जिम्मेदारी गृहमंत्री अमित शाह को लेनी पड़ेगी। आप लेफ्टिनेंट गवर्नर के पीछे नहीं छिप सकते।इंटेलिजेंस और सिक्योरिटी पर जो फैसले लेते हैं, उन पर एक अहंकार आ गया है कि उन पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। हम उनसे सवाल कर रहे हैं। हमलों के वक्त प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे। वहां से आकर वो सीधा बिहार की चुनावी सभा में गए, पहलगाम क्यों नहीं गए?पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ था। जो सरकार चीन को लाल आंख दिखाने की बात करती है। अपने भाषण में एक बार भी चीन का जिक्र क्यों नहीं किया?पाकिस्तान को दुनियाभर से लाखों डॉलर्स की मदद मिल रही है। चुके हैं कि व्यापार को लेकर भारत-पाकिस्तान को मजबूर किया कि जंग को छोड़ें। आपने किसके सामने सरेंडर किया?कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने राजनाथ सिंह की बातों को कोट करते हुए कहा- अब भी कह रहे कि ऑपरेशन सिंदूर कम्प्लीट नहीं हुआ, क्योंकि पाकिस्तान आगे कुछ कर सकता है। फिर सफल क्या हुआ।गोगोई बोले- आप कह रहे कि हमारा मकसद युद्ध नहीं था। मैं पूछता हूं क्यों नहीं था, होना चाहिए था। आप कहते हैं कि हमारा मकसद जमीन कब्जाना नहीं था। मैं पूछता हूं, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर क्यों नहीं लिया गया? गोगोई बोले- राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर कुछ राफेल गिरे, तो वो सवाल जरूरी नहीं हैं। देश में सिर्फ 35 राफेल हैं। ट्रम्प कह रहे 5 फाइटर जेट गिरे। एक-एक जेट करोड़ों रुपए के हैं। ये जरूरी सवाल हैं। गोगोई ने कहा- देश पर विश्वास करें। देश में सच्चाई सुनने का साहस है। आप बताएं कि कितने राफेल गिरे? गोगोई ने 3.25 बजे अपना भाषण खत्म किया।इसके बाद सपा, टीएमसी और अन्य पार्टियों के भाषण शुरू हुए। इस दौरान दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आपने टेलिफोन करके जो बताया कि हम सिर्फ आतंकी ठिकानों पर हमला कर रहे हैं यह सबसे बड़ी चूक है। उन्होंने कहा- या तो बातचीत करके डोनाल्ड को चुप कराओ या भारत में मैकडोनल्ड बंद करवाओ।जयशंकर ने सीजफायर में अमेरिका का रोल साफ किया।दोपहर में शुरू हुई चर्चा का शाम होते-होते समय रात 12 बजे तक बढ़ा दिया गया। करीब 06.35 बजे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपना भाषण शुरू किया और वे करीब 39 मिनट बोले। जयशंकर ने भारत-पाक संघर्ष पर अमेरिका का रोल साफ करते हुए बताया- 22 अप्रैल के बाद 17 जून तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। 22 अप्रैल को ट्रम्प ने पहलगाम हमले की निंदा के लिए कॉल किया था। इसके बाद 17 जून को कनाडा में पीएम मोदी से न मिल पाने की वजह बताने के लिए कॉल किया था।9 मई की रात अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर जानकारी दी कि पाकिस्तान बड़े हमले की तैयारी में है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान जो भी करेगा, भारत उसका जवाब देगा। 9-10 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के हमले विफल किए।अगले दिन उन्हें दूसरे देशों से फोन आए कि पाकिस्तान सीजफायर चाहता है। हालांकि जयशंकर ने यह नहीं बताया कि कॉल किस देश से आया था। भारत ने यह साफ किया कि अगर पाकिस्तान सीजफायर चाहता है तो वह डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन यानी डीजीएमओ के जरिए रिक्वेस्ट करे।सीजफायर के लिए कहीं भी ट्रेड की कोई बात नहीं हुई है।जब जयशंकर भारत-पाक संघर्ष में अमेरिका की भूमिका के बारे में बोल रहे थे, तो विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर गृहमंत्री अमित शाह नाराज हो गए। उन्होंने अपनी सीट से खड़े होकर कहा, 'आपको भारत के शपथ लिए विदेश मंत्री पर भरोसा नहीं है। इसलिए आप वहां बैठे हैं और आने वाले 20 सालों तक वहीं बैठने वाले हैं।' उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए यह भी कहा, 'मैं समझ सकता हूं उनकी पार्टी में विदेश का क्या महत्व है।' थोड़ी देर बाद विपक्ष फिर हंगामा करने लगा तो अमित शाह ने अपनी सीट से खड़े होकर स्पीकर को कहा, 'जब उनके नेता बोल रहे थे, तब हम सब शांति से सुन रहे थे। आपको उन्हें समझाना चाहिए, वरना हम भी बाद में अपने सदस्यों को कुछ नहीं समझा पाएंगे।'एस जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेशों से मिले सहयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने ब्रिक्स की स्टेटमेंट पढ़ी जिसमें लिखा था, 'ब्रिक्स देश सभी तरह की आतंकी गतिविधियों का विरोध करते हैं। इसमें क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म यानी सीमा के उस पार से होने वाला आतंकवाद भी शामिल है।' जयशंकर ने कहा, 'अगर भारत पर अटैक होता है और कोई देश कहता है कि हम क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म का विरोध करते हैं, तो यह स्वाभाविक सी बात है कि किसकी बात कर रहे हैं।' जयशंकर ने यह भी बताया कि 25 अप्रैल से ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने तक उन्होंने 27 देशों को और पीएम मोदी ने 20 देशों को कॉल किया। इस दौरान 40 से ज्यादा देशों ने सहयोग का पत्र भेजा।

निमिषा की मौत की सजा रद्द होने की खबर फर्जी,विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने भारतीय ग्रैंड मुफ्ती का दावा खारिज किया

नयी दिल्ली। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द होने की खबर फेक है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने निमिषा की सजा रद्द होने की जानकारियों को भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि ये जानकारियां मौजूदा स्थिति को सही ढंग से नहीं दर्शातीं। इससे पहले भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के ऑफिस ने दावा किया था कि निमिषा प्रिया की पहले स्थगित की गई मौत की सजा को अब रद्द कर दिया गया है। निमिषा प्रिया यमन में एक हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। निमिषा प्रिया (37) को जून 2018 में एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए दोषी

ठहराया गया था। उन्हें 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी थी। हालांकि, इससे पहले ही 15 जुलाई को निमिषा की सजा अस्थाई रूप से टाल दी गई थी। भारत और यमन के धर्मगुरुओं ने बातचीत की थी- भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार और यमन के चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज ने 15 जुलाई को इस मसले पर बातचीत की थी। इसमें यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक का भाई भी शामिल था। यमन के शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया था। यह भी पहली बार था कि जब मृतक के परिवार का कोई करीबी सदस्य बातचीत को तैयार हुआ हो। यह बातचीत शरिया कानून के तहत हुई थी। यह मृतक के परिवार को दोषी को बिना किसी शर्त के या फिर ब्लड मनी के बदले माफ करने का कानूनी अधिकार देता है।यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फंसी भारत की नर्स निमिषा प्रिया को माफ करने से महदी परिवार ने इनकार कर दिया था। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक महदी के भाई अब्देल फत्तह महदी ने सोशल मीडिया पर साफ कहा था कि मैं अपने भाई की हत्या के मामले में कोई माफी या समझौता नहीं चाहता।महदी ने कहा, न्याय की जीत होगी ,भले ही सजा में देरी हो, लेकिन बदला लेकर रहेंगे। चाहे कोई भी कितना दबाव डाले या मिन्नतें करे, हम क्षमा नहीं करेंगे और ब्लड मनी (खून के बदले दी जाने वाली रकम) नहीं लेंगे।

झाड़फूंक के बहाने महिला को ले जाकर की हत्या,मांडा जंगल में मिला कंकाल, मौलाना और महिला रिश्तेदार गिरफ्तार

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र से लापता महिला की गुमशुदगी के मामले में सोमवार को पुलिस ने खुलासा

किया है कि महिला की हत्या की जा चुकी है। मृतका की पहचान उर्मिला देवी के रूप में हुई है, जो ग्राम उरुवा, थाना मेजा की रहने वाली थीं। उनका पति बीरेंद्र गुप्ता उरुवा चौराहे पर मिठाई की दुकान चलाते हैं। घटना का खुलासा पुलिस की कॉल डिटेल जांच और पूछताछ के बाद हुआ, जिसमें सामने आया कि महिला की हत्या झाड़फूंक और पैसे दोगुने करने के नाम पर की गई ठगी से जुड़ी हुई थी। ममेरी बहन और मौलाना ने मिलकर रची साजिश घटना की शुरुआत 6 अप्रैल 2025 को हुई, जब उर्मिला देवी को उनकी ममेरी बहन गुड़िया और पिंटू अंसारी उर्फ मौलाना (निवासी भारत गंज, मांडा) अपने साथ कहीं ले जाने के बहाने घर से बुलाकर ले गए। जब वे वापस नहीं लौटीं, तो अगले दिन पति बीरेंद्र अपनी बहन गुड़िया के घर पहुंचे। वहां उन्हें पिंटू मौलाना और गुड़िया ने मिलकर धमकी दी कि अगर दो लाख रुपए की फिरौती नहीं दी गई, तो उनकी पत्नी को बेच दिया जाएगा।झाड़फूंक के बहाने आया था घर पुलिस जांच में सामने आया कि पिंटू मौलाना पहले झाड़फूंक के बहाने बीरेंद्र गुप्ता के घर आता-जाता था। गुड़िया के जरिए ही उसका संपर्क हुआ था। धीरे-धीरे दोनों ने बीरेंद्र को भरोसे में लिया और 9.5 लाख रुपये दोगुना करने के नाम पर ठग लिए। जंगल में ले जाकर पत्थर से सिर कुचलकर की हत्या उर्मिला को घर से बुलाकर दोनों उसे मांडा के एक जंगल में ले गए, जहां उन्होंने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को वहीं छोड़कर दोनों फरार हो गए। पति ने 4 मई को थाने में अपहरण और धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल और लोकेशन के जरिए दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया और जब सख्ती से पूछताछ की, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस जब आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची तो वहां से एक कंकाल बरामद हुआ। उर्मिला के पति ने कपड़े और चूड़ियों से शव की पहचान की।

नाग वासुकी मंदिर में उमड़ता आस्था का सैलाब,नाग पंचमी पर विशेष पूजा होती, यहां दर्शन के बिना अधूरी है संगम की यात्रा

प्रयागराज। संगम नगरी में गंगा-यमुना संगम के पास बना नाग वासुकी मंदिर सिर्फ पूजा-पाठ की जगह नहीं, बल्कि आस्था और पुरानी कहानियों से जुड़ा खास स्थल है। यह मंदिर सदियों पुराना है और समय- समय पर इसका जीर्णोद्धार होता रहा है। मंदिर में स्थापित वासुकी नाग की प्रतिमा अत्यंत आकर्षक और दर्शनीय है। इस मंदिर में नाग पंचमी के दिन

भक्तों की भीड़ उमड़ती है। यहां पर दूर- दूर से श्रद्धालु नाग देवता की पूजा- अर्चना करने आते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां पूजा करने से सर्प दोष से मुक्ति मिलती है और कालसर्प दोष का प्रभाव भी कम होता है।मंदिर के पुजारी ने बताया की पौराणिक कथाओं के अनुसार जब अमृत प्राप्त करने के लिए देवता और असुरों ने मिलकर समुद्र का मंथन करने का फैसला लिया, तो उन्हें एक ऐसे विशाल पात्र और रस्सी की जरूरत थी, जो इस काम को संभव बना सके। भगवान विष्णु के आदेश पर मंदराचल पर्वत को मथनी बनाया गया और नागों के राजा वासुकी को रस्सी के रूप में इस्तेमाल किया गया।वासुकी नाग को मंदराचल पर्वत के चारों ओर लपेटा गया। इसके बाद एक ओर से देवताओं और दूसरी ओर से असुरों ने उन्हें खींचना शुरू किया। खास तौर पर नाग पंचमी के दिन लाखों लोगों को अपनी ओर खींचता है।यहां नागों के राजा वासुकी की पूजा होती है, जिनका जिक्र समुद्र मंथन की पौराणिक कथा में भी आता है। कहा जाता है कि देवता और राक्षसों ने जब अमृत निकालने के लिए समुद्र मंथन किया था, तो नागराज वासुकी को रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत के चारों ओर लपेटा गया था। मंथन के समय वासुकी को बहुत तकलीफ हुई और उनके शरीर से जहर निकला, जिसे भगवान शिव ने पी लिया।नाग वासुकी मंदिर का उल्लेख कई प्राचीन धर्मग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि यह मंदिर

उत्सव राहीः क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल और कॉलेज के एक युवा शूटिंग चैंपियन

प्रयागराज। क्रिस्टी मेमोरियल

स्कूल एंड कॉलेज के कक्षा 9वी के छात्र उत्सव राही ने 23 जुलाई, 2025 से 28 जुलाई, 2025 तक दिल्ली में आयोजित हुए 28वीं प्री यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित एन.आर. सब-यूथ 10 मीटर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान पा कर व स्वर्ण पदक जीतकर एक उपलब्धि हासिल की है। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश राज्य के सभी प्रतिभागियों को हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है। उत्सव की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उत्सव की इस सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होंगे। क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल एंड कॉलेज के प्रबंधन एवं समस्त अध्यापकगण उत्सव राही को उनकी इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैंऔर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हमें विश्वास है कि उत्सव आगे भी अपने खेल के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और अपने विद्यालय और समाज का नाम रोशन करेंगे।

मनीष वर्मा अब प्रयागराज के नए डीएम,कुशीनगर जनपद के रहने वाले हैं मनीष वर्मा, रविंद्र कुमार मांदड़ का गाजियाबाद ट्रांसफर

प्रयागराज। सोमवार की देर रात प्रदेश के 23 आईएएस अफसरों

के तबादला हुआ है। इसमें प्रयागराज के जिलाधिकारी भी बदले गए हैं। मनीष कुमार वर्मा को प्रयागराज का नया डीएम बनाया गया है। इसके पहले वह गौतमबुद्धनगर के डीएम रहे। प्रयागराज में अभी जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को अब गाजियाबाद का जिलाधिकारी बनाया गया है। मनीष कुमार वर्मा 2011 बैच के आईएएस अफसर हैं। वह मूलतः कुशीनगर जनपद के रहने वाले हैं। इसके पहले कई जनपदों में डीएम रहे चुके हैं। बलरामपुर और मेरठ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ और मथुरा में मुख्य विकास अधिकारी रहे। बहुत कम दिनों के लिए गौतमबुद्धनगर एडिशनल सीईओ नोएडा रहे। इसके बाद 19 मई 2017 में पहली बार जिलाधिकारी की कमान मिली, यहां करीब 3 साल रहे। यहां के बाद विशेष सचिव, शिक्षा और फिर जौनपुर के जिलाधिकारी बनाए गए थे, वहां से गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी बनाए गए थे। 2 साल से ज्यादा समय तक वहां जिलाधिकारी रहने के बाद अब प्रयागराज के नए जिलाधिकारी के रूप में तैनाती मिली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि सभी स्थानों पर विकास समान रूप से पहुंच सके इसलिए आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर का डेवेलपमेंट किया जाए

बागी पूजा पाल पहुंचीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क 'असीम मित्रा') प्रयागराज। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के चतुर्दिक विकास हेतु प्रारम्भ की गई मण्डलवार जनप्रतिनिधि संवाद श्रृंखला के अन्तर्गत मंगलवार को सर्किट हाउस प्रयागराज में माननीय जनप्रतिनिधियों के साथ आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रयागराज और विन्ध्यांचल मण्डल के मा0 सांसद, मा0 विधायक और मा0 सदस्य विधान परिषद के साथ साथ जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव एवं कार्य योजना की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की ज़मीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रयागराज और विन्ध्यांचल क्षेत्र के विकास को सरकार प्राथमिकता दे रही है। यह दोनों ही मण्डल उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान के केन्द्र हैं। इन क्षेत्रों का पुनरुत्थान और समेकित विकास प्रदेश के विकास को गति प्रदान करेगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जनप्रतिनिधियों के द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर नंबरिंग कर उपलब्ध कराने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री जी ने लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों से वार्ता कर उनके द्वारा प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता लेते हुए कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।प्रस्तावित कार्यों में ब्लॉक मुख्यालयों तक कनेक्टिविटी, इण्टर-कनेक्टिविटी सड़कें, धार्मिक स्थलों तक पहुँच मार्ग, लॉजिस्टिक्स हब, बाईपास, आर0ओ0बी0/अण्डरपास, फ्लाईओवर, मेजर एवं माइनर ब्रिज, रोड सेफ्टी उपाय, सिंचाई अवसंरचना और पाण्टून ब्रिज जैसे अनेक कार्य शामिल हैं। यह सभी कार्य भौगोलिक चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य करेंगे, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में भी सहायक सिद्ध होंगे।माननीय मुख्यमंत्री जी ने नगर विकास विभाग को निर्देश दिए कि विभाग द्वारा किसी परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने से पूर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन जरूर प्राप्त कर लिया जाए और जो भी कार्य किए जाए उस क्षेत्र से संबंधित माननीय जनप्रतिनिधियों का नाम शिलापट्ट पर अवश्य उल्लिखित हो। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माननीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाए उनपर शीघ्रता से कार्यवाई सुनिश्चित की जाए जिससे कि 15 सितंबर के बाद उस कार्य योजना से संबंधित कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास हो सके।माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के अनुभव और स्थानीय आवश्यकताओं की समझ शासन के लिए मार्गदर्शक होती है। योजनाओ का समयबद्ध ज़मीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी, तकनीक का समुचित उपयोग किया जाएगा और कार्यों की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधिगण अपने-अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की सतत निगरानी करें और स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाए। मा0 मुख्यमंत्री जी ने बैठक में उपस्थित मा0 जनप्रतिनिधियों से कहा कि आपके द्वारा उपलब्ध कराये गये विकास कार्यों से सम्बंधित इन प्रस्तावों के माध्यम से विकास परियोजनाओं के निर्माण में आपकी सहभागिता हो सकेगी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पर्यटन से सम्बंधित प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रयागराज में पर्यटन से जुड़े कई कार्य हुए है। प्रयागराज के साथ ही अन्य क्षेत्रों में मुख्यमंत्री पर्यटन सम्वर्धन योजना के अन्तर्गत जिस प्रकार पहले कार्य हुए थे, उसी तर्ज पर मा0 जनप्रतिनिधियों के द्वारा पर्यटन से सम्बंधित उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों में ही उनकी प्राथमिकता लेकर पर्यटन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ कराया जाये, जिससे पर्यटन केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, माननीय राज्य मंत्री श्री संजीव गोंड, मा0 महापौर प्रयागराज श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज डा0 वीके सिंह व विध्यांचल मंडल के माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण, माननीय विधान परिषद् सदस्यगण सहित जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।योगी की मीटिंग में सपा की बागी विधायक पूजा पाल मौजूद रहीं। पूजा पाल ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार भी किया था। बैठक से पहले सभी सांसद और विधायकों के मोबाइल सर्किट हाउस में बाहर ही जमा करा लिए गए।

शिक्षक और विद्यार्थियों के मध्य रहे मित्रता का भाव- कलेक्टर,विद्यार्थियो की प्रतिभा निखारने शिक्षक निभाए अहम भूमिका कलेक्टर,बालक एवं बालिका छात्रावास निर्माण हेतु किया गया भूमिपूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। कोई भी विद्यार्थी कमजोर नही होता है, प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य होती है उन प्रतिभाओ को सिर्फ निखारने की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियो की प्रतिभा तभी निखार कर सामने आएगी जब शिक्षक और विद्यार्थी के मध्य मित्रता का भाव होगा, शिक्षक विद्यार्थी के प्रति मित्रता का भाव रखते हुए विद्यार्थियो की प्रतिभा निखारने मे अपनी महती भूमिका निभाएं। उक्त विचार कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत सोहागपुर के सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में व्यक्त किये। भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 4 करोड़ 60 लाख रूपये की राशि से निर्मित होने वाले बालक एवं बालिका छात्रावास हेतु वर्चुअली रूप से भूमि पूजन किया। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय में भी विद्यार्थियो को घर जैसा वातावरण बनाए जिससे विद्यार्थी विद्यालय आने के लिए इच्छुक रहें और बेहतर षिक्षा दें, बेहतर शिक्षा ही मंजिल की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि पीएम जन मन योजना के तहत अति विशेष पिछडी जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियो को शिक्षा दिलाने के लिए विद्यालयों में बेहतर सुविधाए सुनिश्चित की जा रही है। पीएम जनमन योजना के तहत सड़क,शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य जैसे अन्य सुविधाए प्रदाय की जा रही है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि विद्यार्थियो को यदि स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण निर्मित होगा तो अवश्य ही विद्यार्थियो में पढाई करने क इच्छा जाग्रत होती है, विद्यार्थी देष के भविष्य है। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा ग्रहण कर कलेक्टर, एसपी, इंजीनियर, डॉक्टर जैसे अन्य महत्वपूर्ण पदो पर पहुंचकर, अपने गांव, विद्यालय, जिले का नाम रोशन करते हुए देश की सेवा में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को लाइव प्रसारण किया गया जिसे जनप्रतिनिधियो,अधिकारियो, शिक्षको, विद्यार्थियों सहित जनमानस ने देखा एवं सुना गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद, जनपद सदस्य मनिहारी बैगा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, डीपीसी श्री अमरनाथ सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा,सरपंच मुन्नी बैगा, प्राचार्य, सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई श्रीमती अर्चना खरे सहित विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहें।

जीएलबीआईएमआर में विशेषज्ञ वार्ताः बिक्री की मिथकों को तोड़ते हुए नेतृत्व क्षमता का निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आधुनिक बिक्री की रणनीतियों से परिचित कराया। जीएलबीआईएमआर की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने कहा, 'श्री अमित जवार का सत्र हमारे छात्रों के लिए एक मूल्यवान अनुभव था। उनकी बातों ने छात्रों को बिक्री के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण और रणनीतियों से परिचित कराया।' जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन श्री पंकज अग्रवाल ने कहा, 'हम अपने छात्रों को उद्योग जगत की वास्तविकताओं के अनुसार तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री अमित जवार जैसे विशेषज्ञों के साथ बातचीत करना हमारे छात्रों के लिए एक बड़ा अवसर है।' कार्यक्रम के फैकल्टी कॉर्डिनेटर डॉ यज्ञबाला कपिल और डॉ राशि चौधरी थे । आयोजन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

राकेश पांडेय अध्यक्ष, अखिलेश शर्मा महासचिव निर्वाचित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष पद पर राकेश पांडेय बबुआ 2121 वोट हासिल कर निर्वाचित घोषित हुए हैं। जबकि दूसरे नंबर पर रहे सीपी उपाध्याय को 1928 और तीसरे नंबर के अशोक कुमार सिंह को 1734 वोट मिले हैं। वहीं महासचिव पद पर अखिलेश शर्मा ने 2885 वोट हासिल कर जीत दर्ज की है। दूसरे नंबर पर राज साहब यादव को 1948 और तीसरे नंबर पर रहे संतोष कुमार मिश्रा को 1149 वोट मिले हैं। 28 सदस्यीय कार्यकारिणी में अन्य पदों के लिए मतगणना जारी है। मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा, चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेन्द्र बहादुर सिंह के अनुसार अध्यक्ष पद पर राकेश पांडे व महासचिव पद के लिए अखिलेश शर्मा विजयी घोषित हुए हैं।तीसरी बार नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पांडेय ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान मैं बोलता रहा हूं कि सभी वकीलों को वाईफाई की सुविधा को चैंबर एलाटमेंट हो जाए। हर अधिवक्ता को चैंबर मिले वह भी पारदर्शी और सही तरीके से। कहा जा रहा है कि पुरानी बिल्डिंग को डिमॉलिश कर दिया जाएगा। मैं इसके खिलाफ हूं और मैं आने वाले अधिवक्ताओं को भी चैंबर मिलना चाहिए। हाईकोर्ट में नेटवर्क की बहुत कमी है। मैं चाहता हूं कि सभी को बार मेडिकल एड मिलता है। उसमें मैं मेडिकल बीमा का लाभ दिलाने का प्रयास करुंगा। मेरी डिमांड रहेगी कि दो लाख के मेडिकल बीमा का आधा प्रीमियम बार और आधा अधिवक्ता को देना पड़े।इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2025-26 की मतगणना लाइब्रेरी हॉल में चुनाव समिति की निगरानी में शनिवार को शुरू हुई थी। पहले दिन से ही अध्यक्ष पद के लिए राकेश पांडेय और महासचिव पद के लिए अखिलेश शर्मा लगातार बढ़त बनाए थे। शनिवार को बाद रविवार और फिर सोमवार की बढ़त के बाद मंगलवार को चौथे दिन दोनों ही प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत दर्ज कर ली है। जबकि शेष पदों के लिए अभी मतगणना चल रही है। जिसके परिणाम मंगलवार शाम या फिर बुधवार को आ सकते हैं।हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने राकेश पांडेय जाने माने वकील हैं। वे हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट में शुमार हैं। राकेश पांडेय पहले भी दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं। वह सिविल एवं मिले। लिस्टिंग की भी समस्या है जिसको भी हम सही करेंगे। बार और बेंच के बीच सौहार्द्र पूर्ण स्थिति बनी रहे जिससे लोगों को समय से न्याय मिल सके। मैं पहले भी दो बार अध्यक्ष रह चुका हूं और उस समय जो कमियां रह गईं थी उनको मैं दूर करने का प्रयास करुंगा। इसके अलावा अधिवक्ताओं

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0 प्र0 सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में समस्त ट्रेडों हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों का चयन निम्न कार्यक्रम के अनुसार किया जाना है-

1- एस0सी0, एस0टी0 एवं ओ0बी0सी0 प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 01.08.2025
2- एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 02.08.2025
3- विश्वकर्मा श्रम सममान योजना ट्रेड- दर्जी दिनांक 04.08.2025
ट्रेड- हलवाई एवं टोकरी बुनकर दिनांक 05.08.2025
ट्रेड- लोहार, बढ़ई, नाई एवं राजमिस्त्री दिनांक 06.08.2025
ट्रेड- कुम्हार, सोनार, धोबी एवं मोची, दिनांक 07.08.2025
समस्त योजनाओं एवं ट्रेड के छूटे हुए अभ्यर्थी दिनांक 08.08.2025

पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों पर स्कोर कार्ड के आधार पर चयन उपोक्त दिनांक को पूर्वान्ह 11:00 बजे से 04:00 बजे तक कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, 05 नया कटरा, प्रयागराज में सम्पन्न होगा।

अतः पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदित समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि अपने समस्त (आधार कार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र) प्रमाण पत्र की छाया प्रति के साथ ससमय कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, 05 नया कटरा, प्रयागराज में उपस्थित होने का कष्ट करें।

उपायुक्त उद्योग
जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा
उद्यमिता विकास केन्द्र
प्रयागराज

कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिलाउद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, प्रयागराज
पत्रांक 441/जि.उ.प्रो. तथाउ.वि.के. / प्रयागराज / ओ.डी.ओ.पी./2025-26 दिनांकः 29/07/2025'
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- उप निदेशक सूचना, इलाहाबाद को इस अनुरोध के साथ 10 प्रतियों में प्रेषित कि जनपद के समस्त सम्मानित दैनिक समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशित करवाने का कष्ट करें।
2- संयुक्त आयुक्त उद्योग प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज।
3- कार्यालय नोटिस बोर्ड, पर चस्पा करने हेतु।

उपायुक्त उद्योग
जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा
उद्यमिता विकास केन्द्र
प्रयागराज

AIGC के चुनाव नतीजे घोषित,अध्यक्ष बोले- मैं सभी गार्ड साथियों की समस्याओं का समाधान करूंगा

प्रयागराज। ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल, प्रयागराज शाखा के 5 साल के कार्यकाल वाला चुनाव संपन्न हुआ। सोमवार देर रात को मतगणना के बाद चुनाव अधिकारी की ओर से आधिकारिक परिणाम जारी किए गए।जिसमें चार पदों के विजेताओं की घोषणा की गई। कुल 366 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में अरुण कुमार ने विनय कुमार माधव को 14 मतों से हराकर जीत दर्ज की। अरुण कुमार को 142 मत प्राप्त हुए जबकि विनय कुमार को 128 मत मिले।सचिव पद पर राकेश कुमार ने 143 मत पाकर नीरज कुमार को 22 मतों से हराया। नीरज कुमार को 121 मत प्राप्त हुए।

मंत्री एके शर्मा के खिलाफ व्यापारियों ने लिखा पत्र,व्यापार मंडल ने जताई नाराजगी, सीएम योगी से बर्खास्तगी की मांग की

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज दौरे पर हैं। इससे पहले प्रयागराज व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बयान को लेकर शिकायत की है। शिकायती पत्र में पदाधिकारियों ने सीएम योगी से मंत्री एके शर्मा को तत्काल मंत्री मंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। प्रयागराज व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि उनके बयान से पूरा व्यापारी समाज आहत है। प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष और अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश मंत्री सुशांत कुमार केसरवानी ने लिखा कि मंत्री का बयान वैश्य समाज के प्रति उनकी दुर्भावना दिखाता है। व्यापारी और वैश्य समाज हमेशा बीजेपी का मजबूत समर्थन रहा है, लेकिन मंत्री के इस बयान से समाज आहत और अपमानित हुआ है। इससे प्रयागराज के सभी व्यापारियों में नाराजगी है। इस बयान की पूरा समाज घोर निंदा करता है।उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री की टिप्पणी से मुख्यमंत्री योगी के विकास और सद्भावना वाले संदेश को भी ठेस पहुंची है। आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए और व्यापारी समाज के सम्मान के लिए हमारी मांग है कि एके शर्मा को मंत्रीमंडल से तुरंत बर्खास्त किया जाए। जिससे व्यापारी समाज का भारतीय जनता पार्टी में विश्वास बना रहे।सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज आए हैं। व्यापारी नेता सीएम से मिलने का प्रयास करेंगे और मंत्री एके शर्मा की बर्खास्तगी की मांग रखने की चेस्टा कर रहे। इसके साथ ही वे व्यापारियों की दूसरी समस्याओं पर भी बातचीत करने की योजना में हैं।

प्रयागराज में सुबह से बारिश हो रही,तापमान 29 डिग्री, लोगों को गर्मी से मिली राहत

प्रयागराज। सावन के महीने में आखिरकार प्रयागराज में झमाझम बारिश की शुरुआत हो गई है। मंगलवार सुबह से शहर में हल्की-हल्की बारिश हो रही है, जिससे मौसम ठंडा हो गया और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, लेकिन उमस की वजह से लोग इसे 37 डिग्री जैसा महसूस कर रहे हैं। हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। पिछले कुछ दिनों में शहर में काफी तेज बारिश हुई है, जिसका असर अब सड़कों और मोहल्लों में नजर आने लगा है। शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कत हो रही है। सिविल लाइंस, हिंदू हॉस्टल क्रॉसिंग, पत्रिका मार्ग, एल्गिन रोड, थॉर्नहिल रोड, स्टेशन रोड, रामबाग, अशोक नगर और पुराने शहर के इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात बाधित हुआ और कई इलाकों में बिजली कटौती भी हुई। तेज बारिश का असर गंगा और यमुना नदियों पर भी दिख रहा है। दोनों नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है, जिससे नदी किनारे बसे इलाकों में चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और खतरे वाले इलाकों में रहने वाले लोग जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर चले जाएं।मौसम विभाग ने कहा है कि अभी मानसून पूरी तरह सक्रिय है और आने वाले दिनों में और तेज बारिश हो सकती है।

नाग वासुकी मंदिर में उमड़ा सैलाब,लोगो ने मांगी मनोकामना, श्रद्धालुओं ने सर्प दोष निवारण के लिए की विशेष पूजा

प्रयागराज। संगम नगरी में नाग पंचमी के अवसर पर मंगलवार को दारागंज स्थित नाग वासुकी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की कतारें लग गईं। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने नागों के राजा वासुकी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की । जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति की कामना की।श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए विशेष पूजा-पाठ कराया। मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से कालसर्प दोष,सपनों में सर्पदर्शन जैसी समस्याओं और पारिवारिक कलह से राहत मिलती है। मंदिर में आए भक्तों ने दूध, पुष्प, कुशा, अक्षत और नाग-नागिन की प्रतीक मूर्तियों के साथ पूजन कर अभयदान मांगा।इस दौरान मंदिर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। महिला श्रद्धालुओं की अलग कतार बनाई गई थी। वहीं फूल, प्रसाद और नाग-नागिन की मूर्तियों की दुकानें भी मंदिर परिसर के बाहर सजी थीं। स्थानीय पंडा समाज और प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। पंडित के अनुसार, नाग पंचमी पर नाग वासुकी की पूजा से परिवार में शांति, संतान सुख और आर्थिक समृद्धि मिलती है। नाग वासुकी मंदिर में यह पर्व हर साल बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है, लेकिन इस बार भक्तों का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला।

अतीक के करीबी मुजफ्फर के भतीजे की हिरासत पर हंगामा,महिलाओं ने नवाबगंज थाने का किया घेराव

प्रयागराज। माफिया अतीक के करीबी गो तस्करी के आरोपी मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे की कथित हिरासत को लेकर नवाबगंज थाने पर मंगलवार को भारी हंगामा हुआ। कौड़ीहार ब्लॉक के सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे मोहम्मद जैद को बीती रात पुलिस द्वारा घर से उठाए जाने के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने थाने का घेराव किया।नवाबगंज थाना क्षेत्र के चफरी गांव निवासी जैद को परिजनों के अनुसार रात में पुलिस ने जबरन घर में घुसकर हथियार के बल पर उठाया। इस कार्रवाई से नाराज ग्रामीण, विशेषकर बड़ी संख्या में महिलाएं मंगलवार सुबह थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और हिरासत को अवैध बताया।ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मोहम्मद जैद को क्यों हिरासत में लिया, इसकी कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। न तो कोई सूचना दी जा रही है और न ही परिजनों को मिलने दिया जा रहा है। मौके पर पहुंची महिलाओं ने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे राजनीतिक द्वेष का हिस्सा बताया। बताया जा रहा है कि मोहम्मद जैद के चाचा और सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर वर्तमान में जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। परिजनों ने पुलिस पर दबाव बनाने और प्रताड़ना के मकसद से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।जैद की चाची फरजाना ने बताया, 'रात में जैद घर पर सो रहा था। पुलिस ने बिना बताए छत से कूदवाया और पिस्टल तान दी। वे जबरन उसे उठा ले गए। अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।' इस मामले में अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नवोदय टाइम्स अखबार के फोटो जर्नलिस्ट पर किया जानलेवा हमला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आपसी विवाद में बदमाश

ने नवोदय टाइम्स अखबार के फोटो जर्नलिस्ट प्रमोद शर्मा पर किया जानलेवा हमला।घायल अवस्था में फोटो जर्नलिस्ट को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।नोएडा के सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के अंतर्गत सर्फाबाद गांव में बदमाश ने घटना को दिया अंजाम।संदर्भित प्रकरण में वादी/पीड़ित प्रमोद शर्मा व प्रतिवादी दीपक शर्मा दोनों एक ही परिवार के है। जिनके घर आस-पास है। दोनों के मध्य डॉग को बिस्कुट खिलाने को लेकर विवाद हुआ था। सूचना पर एडीसीपी, एसीपी व थाना प्रभारी मौके पर मौजूद है। पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। आरोपी दीपक शर्मा की गिरफ्तारी हेतु दबिश दी जा रही है। शीघ्र ही गिरफ्तारी सुनिश्चित करते हुए कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पाकेट 7 के शिव मंदिर पर दानपात्र का ताला टूटा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर आज शाम को दानपात्र का ताला तोड़कर पैसे चुरा लिया गया। जोकि मंदिर में लगे सीसी टीवी कैमरे में दिखाई दे रहा है। उक्त जानकारी सेक्टर के आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे ने मीडिया को दी।आज शाम लगभग 6 से 7 बजे के बीच एक अज्ञात व्यक्ति मंदिर परिसर में बैठ गया और कुछ भक्त मंदिर की सफाई कर रहे थे। उनकी नजर बचाकर मंदिर के बाहर रखे दानपात्र का ताला तोड दिया। उसके बाद कुछ देर इधर उधर घूमता रहा फिर धीरे से दानपात्र का पैसा निकाल कर भाग गया। जो कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ साफ दिखाई दे रहा है। मौके पर पुलिस की टीम पहुंच गयी थी। खबर लिखने तक चोरो का सुराग नहीं मिल सका है।

ब्रम्हचारी कुटी में भगवान शिव का हुआ रुद्राभिषेक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में पावन श्रावण मास के तृतीय सोमवार को महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया गया। प्रातःकालीन बेला में आचार्य अमित दीक्षित द्वारा मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। इस दौरान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई साथ ही भोलेनाथ का श्रृंगार भी किया गया। रुद्राभिषेक के बाद हवन हुआ और आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्त की थोड़ी सी सेवा से ही जल्द प्रसन्न हो जाते हैं इसलिए उनको आशुतोष भी कहा जाता है। श्रावण मास में की गई शिव आराधना अनंत गुना फल देने वाली है। भगवान शिव से सभी के कल्याण की प्रार्थना करता हूं कि वह सभी को निरोग, निर्विघ्न , निर्विकार रखें इस अवसर पर अशोक कुमार, ओम कुमार , रवि राघव, सुशील पाल, शिववृत तिवारी सहित तमाम शिव भक्त मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम की बैठक की,राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम 11अगस्त से 14 अगस्त मॉक अप दिवस तक होगा आयोजित

मुख्य लक्ष्य 11 ब्लॉकों के आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों के बच्चे,किशोर व किशोरियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम को धरातल पर लागू कराने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रट सभागार में की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों,किशोर/किशोरियों के स्वास्थ्य,पोषण,शैक्षणिक स्तर में वृद्धि के लिए 1-19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों और किशोरों को कृमि से मुक्ति दिलाना है।डीईआइसी मैनेजर मिथिलेश जायसवाल ने कार्यक्रम कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम 11 अगस्त 2025 से 14 अगस्त मॉक अप दिवस तक चलेगा। कृमि मुक्ति हेतु एल्बेंडाजोल गोली खिलायी जानी है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि अभियान चला कर कार्यक्रम को सफल बनाया जाए। संबंधित विभागों का भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा जिन 11 ब्लॉकों का चयन किया गया है वहाँ शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का पूरा प्रयास किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि आंगनवाडी केन्द्रों में 01 से 05 वर्ष तक के सभी पंजीकृत बच्चों को 6 से 19 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले सभी बालक/बालिकाओं एवं ईट भट्ठों पर कार्य करने वाले श्रमिक एवं घुमन्तू लाभार्थियों को आंगनबाड़ी केन्द्र पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के माध्यम से गोलियां दी जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी/ जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि स्कूलो में 06 से 19 वर्ष तक के सभी छात्र/छात्राओं को सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त प्राईवेट स्कूलों, मदरसों में शिक्षकों के माध्यम से एल्बेण्डाजॉल की पूरी गोली खिलायी जाए। कोई भी बच्चा,किशोर/किशोरी छुट ना जाए इसका ध्यान रखा जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, पीडी सतीश प्रसाद मिश्रा, स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न, निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की बैठक कलेक्ट्रट सभागार में संपन्न हुई। यह अभियान 10 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा। इस अभियान के तहत हाथीपांव बीमारी से बचाव के लिए डीईसी और बच्चों के पेट के कीड़े मारने के लिए एल्बेंडाजोल दवा खिलाई जाएगी। जनपद में आठ ब्लाकों में लगभग 16 लाख जनसंख्या को एल्बेंडाजोल गोली खिलाई जानी है। यह गोली सप्ताह में चार दिन खिलाई जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाएंगे।डीएमओ डॉ. रमेश यादव ने बताया कि डीईसी की गोली पानी के साथ निगलनी होती है। एल्बेंडाजोल की गोली को चबाकर खाना होता है। एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, कैंसर के मरीजों और लंबे समय से बिस्तर पर पड़े हुए मरीजों को यह दवा नहीं दी जाएगी। स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर दवा खिलाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि दवा खाली पेट नहीं खानी है। उन्होंने आगे बताया कि सामान्य लोगों को इस दवा से कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। अगर किसी को दवा खाने के बाद उल्टी, चक्कर, खुजली या जी मिचलाने जैसे लक्षण होते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि उस व्यक्ति के शरीर में फाइलेरिया के कृमि माइक्रो फाइलेरिया नष्ट हो रहे हैं। यह बीमारी मच्छरों द्वारा फैलती है। बैठक में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, एसीएमओ डॉ अशोक,डॉ अरविंद व स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

वेद प्रकाश सिंह पटेल बने आरएलडी ओबरा विधानसभा अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के उरमौरा स्थित रालोद जिला कार्यालय पर

सोमवार को शाम 5:00 बजे बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला महासचिव रोहित सिंह एवं संचालन मीडिया प्रभारी विकास पांडेय ने की। बैठक के दौरान ओबरा विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए प्रीत नगर चोपन निवासी वेद प्रकाश सिंह पटेल को मनोनीत किया गया। इस मौके पर वेद प्रकाश सिंह पटेल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह व प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय को उन्हे विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर धन्यवाद दिया और आभार प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी की नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत करने का कार्य किया जाएगा। ओबरा विधानसभा से अधिक से अधिक सदस्य जोड़ते हुए आने वाले जिला पंचायत चुनाव में पार्टी को मजबूत बनाएंगे। वेद प्रकाश ने जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी द्वारा उन पर विश्वास किए जाने पर भी आभार प्रकट किया और कहा कि जिला अध्यक्ष के हाथों को मजबूत करने में कोई कसर नहीं रहेगी। जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि वेद प्रकाश सिंह पटेल कर्मठ एवं जुझारू के सदस्य बनकर उभरेंगे,अवश्य ही उनके नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगा साथ ही विधानसभा ओबरा में राष्ट्रीय लोकदल का झंडा लहराएगा। इस मौके पर दिनेश मिश्रा, सुनील गुप्ता, आशुतोष सिंह, जितेंद्र चौबे, मुन्ना माली सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की बड़ी करवाई,चार अभियोग पंजीकृत,60 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़ी, तीन सौ किग्रा महुआ लहन नष्ट कराया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला आबकारी तथा लगभग 300 किलोग्राम महुआ लहन बरामद कर

विभाग का विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को विभाग ने थाना गुरबख्शगंज के अंतर्गत ग्राम घाटमपुर , गम्भीरपुर, बरुआ एवं थाना बछरावां के अंतर्गत ग्राम कन्नावा, खौंरानी में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों / संदिग्ध घरों पर दबिश की बड़ी कार्यवाही की।टीम द्वारा दबिश के दौरान 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई मौके पर नष्ट कराते हुए चार अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये।जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया है कि जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के कुशल नेतृत्व में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी।

श्रावण के तीसरे सोमवार पर शाम तीन घंटो में 21 बार भगवान वेद द्वारा की गई स्तुति का पाठ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहनेश्वर स्तुति का पाठ श्री अंजनी पांडे महाराजगंज द्वारा किया गया इस 8:00 बजे तक चलता रहा इसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया रात्रि 8:00

धाम, चंद्रापुर मंदिर प्रांगण में आज दिनांक 28 जुलाई 2025 श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर शाम 5:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक 21 बार भगवान वेद द्वारा की गई कार्यक्रम के मुख्य अजमान श्री अभिलाख कौशल कचहरी रोड रायबरेली थे जिनके द्वारा सभी कलाकारों का अंग वस्त्र पहना करके सम्मान किया गया यह पाठ रात्रि बजे आरती हुई और पूरी पनीर मटर सब्जी एवं मेवा की खीर प्रसाद का वितरण किया गया इस अवसर पर मंदिर के छोटे राजा हरसेंद्र सिंह, आशीष सविता, राम राजगीरी, राजू दीक्षित, पंकज अग्रवाल, सुनील सिंह, डॉक्टर शकुंतला सिंह, डॉ विजय मिश्रा, रामप्रकाशकी उपस्थिति उल्लेखनी रही कार्यक्रम व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया इस तीसरे सोमवार पर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है और बिल्कुल नया लुक दिया गया है बिजली की सजावट कराई गई है तथा एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है प्रातः 4:00 बजे से भक्तों की बड़ी भीड़ जलाभिषेक के लिए लाइन लगा करके खड़ी थी जो मुख्य गेट के बाहर तक थी प्रातः काल 4:00 बजे से अमरुद केला आलू मूंगफली, प्रसाद का वितरण किया जा रहा था इसके बाद प्रातः 11:00 बजे से एक सामूहिक रुद्राभिषेक आचार्य पंडित गोविंद त्रिपाठी गोरा बाजार के सानिध्य में आरंभ हुआ जिसमें 21 परिवारों ने बैठकर के सामूहिक रुद्राभिषेक किया यह रुद्राभिषेक मंटू शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न कराया गया शाम 4:00 बजे से चना प्रसाद का वितरण कराया गया।

धूमधाम से महिलाओं ने मनाया हरियाली तीज का कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली में विभिन्न तरह के

रायबरेली। आज विश्व मंगल परिवार सेवा संस्थान, वृंदावन, शाखा रायबरेली के द्वारा हरियाली तीज के कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पूज्य देवी माहेश्वरी 'श्रीजी' का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और हरियाली तीज के महत्व के बारे में बताया गया विश्व मंगल परिवार संस्थान आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ज्योति श्रीवास्तव डॉक्टर शालिनी सिंह इंजीनियर अंजली श्रीवास्तव ने किया वो सक्रिय भूमिका में निशा श्रीवास्तव अदिता सिंह मनीष अग्रवाल रश्मी बंसल पल्लवी अग्रवाल अमिता श्रीवास्तव के साथ अन्य महिलाएं भी उपस्थित रही।

डीएम ने शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण कार्यो का किया निरीक्षण,अवशेष कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चुका है, कुछ कार्य अवशेष हैं

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक में कराये जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो जिन्हें शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि शहीद स्मारक मुख्य स्थल पर सुरक्षा के दृष्टिगत सीढ़ियों पर रेलिंग अवश्य लगवा ली जाए। रिक्त स्थानों पर भी इंटरलॉकिंग करने के निर्देश दिए। नगर पालिका को निर्देश दिया कि समय समय पर स्थल की साफ सफाई अवश्य कराई जाए। पेयजल और प्रकाश व्यवस्था भी दुरुस्त रखी जाए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शहीद स्थल पर नीम के पौधे को भी रोपित किया। निर्देश दिया कि निर्माण कार्य के दौरान जो भी पेड़ पौधे पहले से लगे हैं उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाए। किसी भी पौधे के क्षतिग्रस्त होने पर उसके स्थान पर नये पौधे अवश्य लगाए जाए। इस दौरान एडीएम (वि/रा) ने भी आवले का पौधा लगाया। इस अवसर पर एडीएम (एफ/आर)अमृता सिंह, प्रभारी जिला पर्यटन अधिकारी सुधीर गिरी, तहसीलदार आकृति व विकास प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एकलव्य की खोजः वंचित बच्चों की प्रतिभा को मंच देने की अनूठी पहल का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-6 स्थित एनईए ऑडिटोरियम में 'एकलव्य की खोज' कार्यक्रम का भव्य आयोजन नवरत्न फाउंडेशन्स (रजि.) और दिव्य तरंग एजुकेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया जिसका उद्देश्य वंचित और संसाधनविहीन पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को समाज के समक्ष लाना था। कार्यक्रम में निर्णायकों की भूमिका में भाषण कला के लिए प्रदीप शर्मा, गायन के लिए दीपक नायडू और नृत्य के लिए डॉ.कल्पना भूषण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को 'सर्वोत्तम एकलव्य' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भाषण में मास्टर आयुष, गायन में कुमारी नेहा कामत और नृत्य में कुमारी खुशबू को इस सम्मान से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त 18 बच्चों को 'अति उत्तम एकलव्य' पुरस्कार प्रदान कर उनकी मेहनत और लगन को सराहा गया। इस अवसर पर नवरत्न फाउंडेशन के

अध्यक्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे हिंदुस्तान के हर बच्चे में एक एकलव्य छिपा होता है, ज़रूरत बस उसे पहचानने और अवसर देने की है। हमारी कोशिश है कि वंचित वर्ग के बच्चों की प्रतिभा समाज के सामने आए और वे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें। इस अवसर पर विक्की यादव, ए वी मुरलीधरन, नीतू भंडारी, ममता अधिकारी, अंशुमाली सिन्हा, विपिन मल्हन, डॉ. पीयूष द्विवेदी, करुणेश शर्मा, उपदेश भारद्वाज, विनोद मिश्रा, पद्मा जी, वर्षा श्रीवास्तव, अरविन्द श्रीवास्तव, अनुरंजन, रजनी कटारिया, जयंती अय्यंगर, त्रिलोक शर्मा, मंजू सूद, अविनाश सिंह, मनीष गुप्ता, राजीव अजमानी, मुकुल बाजपाई, डॉ. संजय लाभ, संजय सिन्हा, यतेन्द्र विज, ऋतू सिन्हा, कर्नल अमिताभ अमित, अलोक कुमार, डॉ बबिता शर्मा, प्रवीण राजपूत, ज्योत्स्ना, शमा राजपूत, लायन यु.एन. मल्लिक, सुभाष शर्मा, आर.के. शर्मा जैसी गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की। वहीं, एक्टिव एनजीओ ग्रुप नोएडा का विशेष सहयोग आयोजन की रूपरेखा को साकार करने में अहम रहा।

सोनभद्र - विशाल भंडारे का हुआ आयोजन।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज दिनांक 28 जुलाई

2025 को पंचमुखी मंदिर चुर्क रॉबर्टगंज सोनभद्र में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आज सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया था जिसमें बहुत से लोगों ने पंचमुखी महादेव मंदिर के दर्शन किए,उसके बाद भोजन का आनंद लिया। इस भंडारे के आयोजन मे रिटायर्ड गणमान्य व्यक्ति जिसमें हृदय नारायण, बबलू पाठक, सुभाष उपाध्याय, कुशांत मौर्य, राजेंद्र पटेल, डॉ केके सिंह, अनिल दुबे, राधे मोहन प्रजापति, अवध राज सिंह, राजेश द्विवेदी, राधेश्याम, पीएन यादव,दामोदर सिंह, विवेक पांडे, मिठाई लाल, शारदा प्रसाद आदि लोग उपस्थित थे।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में ट्रायल करते छात्र छात्राएं

सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन विशिष्ट विशिष्ट स्टेडियम तीयरा में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में जनपद के विद्यालयों के बच्चों ने किया प्रतिभाग किया। संत जेवियर्स उ.मा. विद्यालय द्वारा मंगलवार को रॉबट्र्सगंज के विशिष्ट स्टेडियम तीयरा मे विभिन्न आयु वर्ग मे तिरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे मुख्य अतिथि क्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद, विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य आदर्श इंटर कालेज रॉबट्र्सगंज संतोष मौर्या, प्रधानाचार्य संत जेवियर्स उ.मा. विद्यालय रॉबट्र्सगंज ए.के.जॉन, जनपदीय सचिव सुनील कुमार राव, व्यायाम शिक्षक जगदम्बा प्रसाद, निर्णायक विश्वास शर्मा, एवं सुमंगला शर्मा उपस्थित रहें। प्रतियोगिता मे जनपद के विभिन्न विद्यालयों के कुल 50 तिरंदाजो ने प्रतिभाग किया। समाचार लिखे जाने तक विभिन्न आयु वर्गों में अंडर 14 में

अंकित,सूर्यांश, आदित्य, अंशिका, अनन्या, अंडर 17 मे अखिलेश गुप्ता,संगम पाल, धैर्य,युगांक,नंदिनी मौर्य,सुलेखा यादव, अंडर-19 मे विशाल प्रजापति, विशाल मौर्य,सोनम,सपना, दीक्षा मिश्रा ने क्वालीफाई किया। व्यायाम शिक्षक जगदंबा प्रसाद ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता की आयोजन से जनपद की तीरंदाजी खेल को बढ़ावा मिलता है।प्रतिभागियों को जनपद फिर मंडल स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलता है। आज के प्रतियोगिता में क्वालीफाई करने वाले प्रतिभागी एक अगस्त को विशिष्ट स्टेडियम 13 में होने वाले मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

शिव मन्दिर मे स्थापित हनुमान जी कि प्रतीमा को किया गया खन्डित,श्रद्धांलुओ मे आक्रोश का माहोल मौके पर पहुची पुलिस जाच मे जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रद्धांलुओ के भावना ओ के साथ खेलवाड़ किया गया तो आक्रोश व्याप्त हो गया। मूर्ति का एक हाथ पीठ का हिस्सा, मुकुट और पर्वत टूटे पाए गए। करते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही मंदिर में नई प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। घटना में

आरजक तत्वों द्वारा आज सुबह रावर्टसगंज थाना के अन्तर्गत 29 जुलाई 2025 वार्ड नं. 11 अंबेडकर नगर चौराहा स्थित शिव मंदिर में स्थापित भगवान हनुमान की प्रतिमा को बीती रात कुछ अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सुबह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे स्थानीय श्रद्धालुओं ने जब मूर्ति को खंडित अवस्था में देखा घटना की सूचना पर स्थानीय पार्षद गायत्री सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौके पर एकत्र हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सदर कोतवाल गोपाल गुप्ता, कस्बा चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी शिव कुमार सिंह द्वारा बडी मशक्त के बाद लोगों को शांत शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल स्थिति सामान्य है, किंतु मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

स्किल डेवलपमेंट अवेयरनेस के लिए कॉमिक्स का लोकार्पण नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) श्री राजीव नैयर विशिष्ट अतिथि

प्रयागराज। बीते शुक्रवार को नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में दिनांक 25 जुलाई 2025 को स्किल डेवलपमेंट अवेयरनेस को बढ़ावा देने हेतु विशेष रूप से तैयार की गई कॉमिक्स का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।इस आयोजन का उद्घाटन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के निदेशक श्री एल.बी.एस. यादव के कर-कमलों द्वारा किया गया। उनके साथ पंजाब नेशनल बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री विनय तिवारी, उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अरविंद राय, तथा ईस्टर्न चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर बोलते हुए श्री एल.बी.एस. यादव ने कहा कि कॉमिक्स जैसे सरल और रोचक माध्यम के ज़रिए युवाओं को कौशल विकास की ओर प्रेरित किया जाना एक सराहनीय कदम है। इससे तकनीकी प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूकता को नया आयाम मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्यमियों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने कॉमिक्स प्रकाशन की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नवाचारी प्रयास बताया।

कई मामलों में 9 अभियुक्त गिरफ्तार,अपराध रोकथाम अभियान के तहत कार्रवाई

सोनभद्र। पुलिस ने अपराध नियंत्रण और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर थाना ओबरा पुलिस ने विभिन्न मामलों में कुल 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में बसीम अकरम उर्फ सोनू (35 वर्ष), मुस्तकीम अली (52 वर्ष), असीम उर्फ राजा (22 वर्ष), विक्रम (25 वर्ष), हिफाजत अली उर्फ अल्तमस (19 वर्ष), मोनू वर्मा उर्फ कल्लू (28 वर्ष), रियाज राइन (35 वर्ष), शेखू राइन (30 वर्ष) और रविशंकर (42 वर्ष) शामिल हैं। इनमें से बसीम अकरम, मुस्तकीम अली और असीम भलुआ टोला के निवासी हैं। विक्रम फफराकुण्ड का रहने वाला है। हिफाजत अली टैक्सी स्टैण्ड ओबरा का निवासी है। मोनू वर्मा चूड़ी गली ओबरा का रहने वाला है। रियाज और शेखू राइन मछली मण्डी टैम्पो स्टैण्ड के निवासी हैं। रविशंकर बिल्ली मोतीचन्द चौराहा का रहने वाला है।

प्रकाशित खबर का दिखा असर,जला हुआ ट्रांसफार्मर बदल दिया गया, ग्रामीणों ने जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विद्युत उपकेंद्र सुकृत 33/11 के गौरही फीडर अंतर्गत बघोरी लालमणि मौर्य के घर के पास लगा हुआ 10 केवीए ट्रांसफार्मर और गड़ईगाढ़ गांव में फुलेश्वर चौहान के घर के पास लगा हुआ 10 केवीए ट्रांसफार्मर के जलने की खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई की है। खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने जला हुआ ट्रांसफार्मर बदल दिया है और ग्रामीणों को बिजली की सुविधा बहाल कर दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय पत्रकारों के मदद से खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग के अधिकारी हरकत में आए और जल्द ही ट्रांसफार्मर बदल दिया गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और अब उन्हें बिजली की समस्या से निजात मिल गई है। बच्चों की पढ़ाई और कृषि कार्य अब सामान्य रूप से चलने लगे हैं।ग्रामीणों ने विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की है और कहा है कि खबर प्रकाशित होने से समस्या का समाधान हुआ है। ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों को धन्यवाद दिया है और कहा है कि वे भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि विभाग भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई करेगा और उनकी समस्याओं का समाधान करेगा। ग्रामीणों ने कहा कि वे विभाग के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में भी विभाग उनकी समस्याओं का समाधान करेगा।

दोषी राकेश पटेल को 4 वर्ष की कठोर कैद,10 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी,अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के अपहरण का मामला,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी राकेश पटेल को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबट्र्सगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 14 दिसंबर 2018 को एसपी सोनभद्र को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया था कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी जो कक्षा 10 की छात्रा है। जब वह स्कूल पढ़ने जाती है और स्कूल से वापस लौटते समय रॉबट्र्सगंज थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी राकेश पटेल पुत्र सुरेश पटेल जो एक सरहंग किस्म का लड़का है और उसका नाजायज गोल भी है। आए दिन उसकी बेटी को परेशान किया जाता है।इसके बारे में बेटी ने जब बताया तो इसकी शिकायत राकेश पटेल और उसके माता पिता से किया गया लेकिन कोई बदलाव नहीं हुआ, बल्कि धमकी दिया कि तुम्हारी बेटी को उठवा ले जाऊंगा। शिकायत के बाद उसकी गुंडागर्दी और बढ़ गई। घटना 3 दिसंबर 2018 को रात्रि 12-1 बजे की है।उसकी बेटी शौच के लिए घर से बाहर निकली थी तभी पहले से ही घात लगाकर बैठे राकेश पटेल ने उसकी बेटी को अपने साथियों के साथ अगवा कर लिया। शोरगुल पर घर से बाहर आया तो मामला शांत था। यह सोचा कि बेटी आ जाएगी,लेकिन वह नहीं आई। अपने स्तर से बेटी को रिश्तेदारी से लेकर हर संभव जगह तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। बाद में पता चला कि बेटी को राकेश पटेल उठा ले गया है। जब राकेश पटेल के मोबाइल पर बात किया तो उसने कहा कि तुम्हारी बेटी को उठा लाया हूं जो तुम्हें करना हो करो। सूचना दे रहा हूं। आवश्यक कर्रवाई करें। इस तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में राकेश पटेल के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर अपहरण के दोषी राकेश पटेल को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

धांगर आदिवासियों के सामाजिक अधिकार को सुनिश्चित करे सरकार,एआईपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. आर. दारापुरी ने एसीएस समाज कल्याण वेंकटेश्वर लू से की वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र,लखनऊ।सोनभद्र की आदिवासी मूल की धांगर जाति कि इन सब सवालों पर विधि के अनुरूप तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।प्रेस को कोल आदिवासियों के भी सामाजिक अधिकार नहीं दिए गए। आदिवासी होने के बावजूद

के नाम पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जारी फर्जी प्रमाण पत्र पर रोक लगाने, भारत सरकार की सूची के अनुरूप ही एससी के जाति प्रमाण पत्र जारी करने और धांगर को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के सवाल पर आज ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. आर. दारापुरी ने अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण वेंकटेश्वर लू से वार्ता की। उनके साथ एआईपीएफ के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर भी रहे। दारापुरी ने इसके अलावा उत्तर प्रदेश की कोल आदिवासी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने, वनाधिकार कानून के तहत पुश्तैनी जमीन पर मान्यता देने और सोनभद्र जनपद समेत प्रदेश के दलित, आदिवासी छात्रों की बकाया छात्रवृत्ति के तत्काल भुगतान के भी सवाल को उठाया और इस संबंध में भी पत्रक दिए। अपर मुख्य सचिव ने आश्वस्त किया जारी बयान में एआईपीएफ अध्यक्ष एस. आर. दारापुरी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत अनुसूचित जाति की सूची में कोई भी संशोधन राज्य सरकार, न्यायालय या कोई अभिकरण नहीं कर सकता है। बावजूद इसके पिछले 15 सालों से सोनभद्र की धांगर जाति के साथ अन्याय किया जा रहा है। उनके नाम पर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र बनाकर सांसद से लेकर नौकरी तक में पिछड़े वर्ग के लोग हिस्सा हड़प रहें हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति शोध संस्थान ने अपनी सर्वे में स्पष्ट रूप से बताया है कि यह जाति उरांव आदिवासी जाति मूल की है। इसलिए इसे अनुसूचित जनजाति में की सूची में शामिल कर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को उसके सामाजिक अधिकार को सुनिश्चित करना चाहिए।उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों की संख्या में रह रहे एसटी की सूची में शामिल न करने के कारण वह वनाधिकार कानून से वंचित है। उसके लोगों को सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है और राबट्र्सगंज संसदीय क्षेत्र भी आदिवासियों के लिए आरक्षित नहीं हो पा रहा है। शोध संस्थान ने एसटी की सूची में शामिल करने की सर्वे रिपोर्ट दी। जिसके आधार पर उत्तर प्रदेश सरकार ने कई बार भारत सरकार को संस्तुति की लेकिन मोदी सरकार इस पर विचार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने वनाधिकार कानून के अनुपालन न होने पर गहरी चिंता अपर मुख्य सचिव के साथ साझा की और चंदौली के नौगढ़ में वन विभाग द्वारा घोषित बेदखली जैसी कार्रवाइयों पर रोक लगाने का निवेदन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात यह है कि दलित, आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही है। इस पर भी तत्काल कार्रवाई का अनुरोध किया गया।

खाद के कालाबाजारी पर कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। किसानो को खाद उपलब्ध कराए जाने एवं काला बजारी करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर मंगलवार को जिला कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अगुवाई मे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के नामित ज्ञापन सौपा ६ जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की किसान देश का अन्नदाता है ट किसानो को खाद न मिलने से परेशान है बीजेपी सरकार मे किसानो की समस्याएं लगातार बढ़ रही है ६ बीजेपी सरकार ने वादा किया था किसानो की आय दोगुनी होगा, लेकिन बीजेपी सरकार किसानो के समस्याओं पर मौन है शहर कॉग्रेस अध्यक्ष फरीद अहमद ने कहा की बीजेपी सरकार मे किसानो को बिजली, सिचाई और खाद उपलब्ध न होने से किसान त्रस्त है ६ जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा की बीजेपी सरकार मे महिलाएं, आदिवासियों युवाओं, दलितों, पिछड़ों पर अत्याचार चरम पर है ट कानून व्यवस्था ध्वस्त है ६ सड़के गड्ढे मे तब्दील है ट जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त है ६ जिला उपाध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी एवं जिला महासचिव दया शंकर देव पांडे ने बीजेपी सरकार को किसान विरोधी करार देते हुए कहा की बीजेपी सरकार मे सबसे ज़्यादा अत्याचार किसानो पर हुआ है ट उसके उपज का सही दाम नहीं मिल पाता ६ उक्त मौके पर राजबाली पांडे, बाबूलाल पानिका, सिराज हुसैन, लल्लू राम पांडे, अमरेश देव पांडे, आशुतोष दुबे,पंकज मिश्रा, आशीष सिंह, स्वतंत्र साहनी, मंजू देवी, सुनील मिश्रा,सूरज बर्मा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने महिला संबंधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र का प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मंगलवार को अधिवक्ता हितार्थ मांग पत्र उपजिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी को दिया प्रतिनिधि मण्डल में महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड. व पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार पाठक एड. उपस्थित रहें। अध्यक्ष ने बताया कि अधिवक्ता हितार्थ मांग पत्र तहसील व जिला न्यायालय एक ही परिसर में संचालित होता है पूरे परिसर में लगभग 60-70 महिला अधिवक्ता नियमित न्यायिक कार्य करने हेतु आती हैं, जिन्हें बैठने की समुचित व्यवस्था परिसर में न होने की वजह से यहाँ-वहाँ बैठ कर वादकारी हित में न्यायिक कार्य संपादित करना पड़ता है, अन्य भी कई समस्याओं से अधिवक्तागण को रुबरु होना पड़ता है जिसके सम्बन्ध में निम्नलिखित मांगों के लिये प्रतिनिधि मण्डल द्वारा 31.12.2024 को अपना मांगप्रत्र जिलाधिकारी को दिया गया था। जिसके सम्बन्ध में

अवगत कराया गया कि उ0प्र0 अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति द्वारा जनपद सोनभद्र के लिए टीन शेड़ व पुराने चैम्बरो के मरम्मत हेतु मु0 5000000/- (पचास लाख रुपये) का आवंटन प्रदान किया गया था। तत्समय अधिवक्ताओं की संख्या कम होने के कारण तत्कालीन जिलाधिकारी के साथ अधिवक्ताओं की बैठक में तय किया गया था कि जनपद न्यायालय का स्थल चयन होने के उपरान्त जनपद न्यायालय परिसर में अधिवक्ता शेड बनवा दिया जायेगा, जिसपर सहमत होते हुए धनराशि को जिलाधिकारी सोनभद्र के पद नाम से खुले खाता में तब तक के लिए सुरक्षित रख दिया जाय, जो सुरक्षित है। वर्तमान समय में अधिवक्ताओं की संख्या काफी अधिक हो गयी है, जिससे बैठने के लिए शेड व चैम्बर पर्याप्त नही है, सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र आप से अपेक्षा करता है कि- प्रमुख मांगों में बताया कि महिला अधिवक्ता वादकारी हित को ध्यान में रखते हुये परिसर में एक महिला वादकारी/अधिवक्ता भवन मय शौचालय सुविधा के साथ निर्माण कराया जाय आवश्यक है।,परिसर में अधिवक्ताओं/वादकारियों के बैठने के लिए वादकारी/अधिवक्ता मय शौचालय सुविधा के साथ निर्मित कराया जाना आवश्यक है।,परिसर में पूर्व से निर्मित सड़कें काफी क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं जिसकी वजह से वादकारी/अधिवक्ता व पीठासीन अधिकारियों को आवागमन में हो रही असुविधा के दृष्टिगत परिसर में सड़क का निर्माण व इण्टरलाकिंग कराया जायं अत्यन्त आवश्यक है।परिसर में आने वाले महिला/पुरुष वादकारियों/अधिवक्ताओं की सुविधा हेतु मूत्रालय/शौचालय का निर्माण कराया जाय तथा पूर्व में बने मूत्रालय/शौचालय की साफ-सफाई कराकर उसे चालू कराया जाय ताकि दूर-दराज से आने वाले महिला/पुरुष वादकारियों/अधिवक्ताओं को सुविधा का लाभ प्राप्त हो सके ।परिसर में वादकारी/अधिवक्ताओं हेतु स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। परिसर में नमामि गंगे पेयजल योजना के तहत बड़ी टंकी से जोड़कर पेयजल की सुविधा मुहैया कराया जाय। अध्यक्ष ने बताया कि जनहित को ध्यान में रखते हुये उपरोक्त कार्य हेतु तत्काल उचित कार्यवाही सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

चोपन के रामलीला मैदान में कुश्ती दंगल,नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। चोपन में नागपंचमी के अवसर पर रामलीला मैदान बैरियर पर कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने फीता काटकर किया। दंगल में नगरवासियों के साथ आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। सभी ने पहलवानों के रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया। शुभारंभ के अवसर पर उस्मान अली ने आयोजकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पारंपरिक खेलों से समाज में आपसी सौहार्द बढ़ता है। साथ ही युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम आयोजक मुन्ना लाल गुप्ता ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह दंगल वर्षों से लगातार आयोजित होता आ रहा है। आने वाले समय में इसे और अधिक बेहतर रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम में कई पहलवानों ने अपनी ताकत और दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। इसे देखकर दर्शक झूम उठे। पूरा माहौल जयकारों और तालियों से गूंजता रहा। इस मौके पर बाबूलाल केशरी, विकास चौबे, रामनरेश चौधरी, ओमप्रकाश, कमलेश अग्रहरि, अशोक गुप्ता, बिहारीलाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी-ओवल स्टेडियम में 2 टेस्ट जीता है भारत,यहां आखिरी मैच,जीते तो सीरीज बराबर शुभमन 3 बड़े रिकॉर्ड्स के करीब

नयी दिल्ली।भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से खेला जाएगा। मुकाबला लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा, जिसके लिए दोनों ही टीमें लंदन पहुंच चुकी हैं। भारत ने यहां 15 टेस्ट खेले और महज 2 जीते। हालांकि, पिछली जीत 2021 में ही मिली थी।भारत ने द ओवल टेस्ट जीत लिया तो टीम सीरीज को 2-2 से बराबर कर लेगी। वहीं मुकाबला ड्रॉ हुआ या इंग्लैंड जीती तो सीरीज भी होम टीम के नाम हो जाएगी। पांचवें टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के पास 3 बड़े रिकॉर्ड्स बनाने का मौका भी है। स्टोरी में द ओवल स्टेडियम का रिकॉर्ड- ओवल में भारत ने 2 टेस्ट जीते लंदन के द ओवल स्टेडियम में भारत ने 1936 में पहला टेस्ट खेला था, तब टीम को 9 विकेट से हार मिली थी। टीम को इस मैदान पर पहला टेस्ट जीतने में 35 साल लग गए। भारत ने 1971 में अजीत वाडेकर की कप्तानी में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया था।1971 के बाद भारत ने द ओवल में 5 टेस्ट ड्रॉ कराए, जबकि 3 गंवाए। टीम को फिर इस मैदान पर 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में दूसरी जीत मिली। उन्होंने 157 रन से टीम को जीत दिलाई थी। इस मैदान पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 14 टेस्ट खेले, 2 जीते और 5 गंवाए। इस दौरान 7 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।डब्लूटीसी फाइनल भी यहीं गंवाया था भारत ने द ओवल में आखिरी टेस्ट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था, जिसमें भारत को 209 रन से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज

की टीम अनाउंस होने से पहले ही इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया।ओवल स्टेडियम में 43फीसदी टेस्ट जीता है इंग्लैंड इंग्लैंड ने द ओवल स्टेडियम में 106 टेस्ट खेले। 45 में टीम को जीत और महज 24 में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान 37 मुकाबले ड्रॉ भी रहे। हालांकि, इंग्लैंड यहां 52 रन पर ऑलआउट भी हो चुकी है। टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1948 में इस स्कोर पर आउट हुई थी। भारत के खिलाफ टीम 1971 में इस मैदान पर 101 पर सिमट चुकी है।ओवल में भारत ने 3 बार 500 प्लस रन बनाए ओवल स्टेडियम में भारत ने 3 बार 500 से ज्यादा रन के स्कोर बनाए, तीनों बार मुकाबले ड्रॉ रहे। यहां भारत का हाईएस्ट स्कोर 664 रन है, जो टीम ने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ ही बनाया था। 2021 में भारत ने अपनी दूसरी पारी में 466 रन बनाकर मुकाबला जीता था।इस मैदान पर इंग्लैंड का हाईएस्ट स्कोर 903 रन है, जो टीम ने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ टीम यहां 2 बार 590 प्लस रन बना चुकी है। 1 में इंग्लैंड को जीत मिली, वहीं दूसरा मैच ड्रॉ रहा। इंग्लैंड यहां 190 पारियों में 10 बार 500 से ज्यादा रन बना चुका है।पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 37फीसदी मैच जीते द ओवल में अब तक 107 टेस्ट हुए। 37फीसदी में यानी 40 मुकाबलों में पहले बैटिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। वहीं 30 मैच पहले बॉलिंग करने वाली टीमों के नाम रहे। यहां 37 मैच ड्रॉ रहे। 2011 के बाद से द ओवल में 14 टेस्ट हुए, जिनमें महज 1 मुकाबला ड्रॉ रहा। 8 में पहले बैटिंग और 5 में पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। ऐसे में टीमें टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुन सकती हैं।1. एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय शुभमन गिल सीरीज के 4 टेस्ट में 722 रन बना चुके हैं। वे आखिरी टेस्ट में 53 रन बनाते ही एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ेंगे, जिनके नाम 774 रन हैं। गावस्कर ने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था।2. एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान शुभमन आखिरी मैच में 89 रन बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे ऑस्ट्रेलिया के डोनाल्ड ब्रैडमैन को पीछे छोड़ेंगे। जिन्होंने 1936 में इंग्लैंड के खिलाफ ही 810 रन बनाए थे।गिल 11 रन बनाते ही एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ेंगे, जिन्होंने 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे।3. एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले कप्तान शुभमन गिल सीरीज में 4 सेंचुरी लगा चुके हैं। एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले कप्तानों में गिल फिलहाल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर हैं। वे आखिरी मुकाबले में 1 और शतक लगाते ही इस रिकॉर्ड में टॉप पर पहुंच जाएंगे। अगर गिल ने 2 शतक लगा दिए तो वे एक सीरीज में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले प्लेयर भी बन जाएंगे।

क्या चावल खाने से डायबिटीज होता है?क्या चावल से बेहतर है रोटी, जानें मिथ और सच्चाई, इसके 8 हेल्थ बेनिफिट्स

नयी दिल्ली। क्या चावल खाने से डायबिटीज होता है? इसका जवाब नहीं है। क्या चावल खाने से फैट बढ़ता है? इसका जवाब है कि यह अकेला कारण नहीं है। बीते कुछ सालों में चावल को लेकर जिस तरह से परसेप्शन बना है कि यह अच्छा भोजन नहीं है। यह बिल्कुल गलत परसेप्शन है, जिसके कारण लोग अपनी थाली से चावल अवॉइड करने लगे हैं। इंसान कम-से-कम पिछले 5,000 सालों से चावल उगा रहे हैं। यह दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी के लिए मुख्य भोजन है। दुनिया का ज्यादातर चावल एशियाई देशों में उगाया जा रहा है। चावल ग्लूटेन-फ्री होता है। इसलिए यह उन लोगों के लिए भी सेफ है, जिन्हें गेहूं या ग्लूटेन से एलर्जी होती है। पानी की कमी और थकान से बचने के लिए चावल जैसे न्यूट्रिशनल, आसानी से पचने वाले और हाई एनर्जी फूड को डाइट में शामिल करना एक स्मार्ट और साइंटिफिक चॉइस हो सकती है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में चावल के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- चावल की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? चावल खाने के फायदे क्या हैं? इसे किन बीमारियों में नहीं खाना चाहिए? चावल में कॉम्प्लेक्स कार्ब होता है.चावल में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होता हैं, जो शरीर को धीरे-धीरे ऊर्जा देता है। सफेद चावल का पाचन आसान होता है। इसलिए बुखार, डिहाइड्रेशन या पाचन से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद होता है। वहीं ब्राउन राइस में फाइबर, विटामिन बी और एंटीऑक्सीडेंट्स ज्यादा होता है, जो पाचन में, मेटाबॉलिज्म और हार्ट हेल्थ के लिए मददगार हैं।सफेद और ब्राउन राइस की न्यूट्रिशनल वैल्यू में बड़ा फर्क होता है। सफेद चावल में मुख्य रूप से कार्ब्स होते हैं और यह रिफाइंड यानी प्रोसेस्ड होता है। इसका ऊपरी हिस्सा यानी ब्रैन हटा दिया जाता है, जिससे इसमें मौजूद कई जरूरी पोषक तत्व कम हो जाते हैं। ब्राउन राइस में ब्रैन बना रहता है। इसलिए यह ज्यादा फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। यह पाचन सुधारने और दिल को हेल्दी रखने में मददगार माना जाता है।ब्राउन चावल खासतौर पर विटामिन बी1 यानी थायामिन, बी3 यानी नायासिन, बी6, मैग्नीशियम, मैंगनीज और सेलेनियम का अच्छा सोर्स होता है। वहीं सफेद चावल में यह पोषक तत्व प्रोसेसिंग के दौरान काफी हद तक निकल जाते हैं।चावल और खासतौर पर ब्राउन राइस खाने के कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं। ये हैं इसके बड़े फायदेसवालः क्या डायबिटिक लोग चावल खा सकते हैं?जवाबः हां, डायबिटीज से पीड़ित लोग ब्राउन राइस खा सकते हैं। ब्राउन राइस का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अपेक्षाकृत (जीआई) कम होता है (लगभग 50-55), जिससे यह शरीर में धीरे-धीरे पचता है और ब्लड शुगर को अचानक नहीं बढ़ाता। इसके अलावा, इसमें ज्यादा फाइबर, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, मात्रा पर नियंत्रण जरूरी है और खाने के साथ प्रोटीन या फाइबर को शामिल करना ब्लड शुगर को और संतुलित रख सकता है। डॉक्टर या डाइटीशियन से सलाह लेना हमेशा बेहतर रहेगा। सवालः क्या वजन घटाने के लिए चावल अच्छा है? जवाबः हां, वजन घटाने के लिए ब्राउन राइस एक बेहतर विकल्प हो सकता है क्योंकि इसमें ज्यादा फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और अनावश्यक भूख को कम करता है। ब्राउन राइस में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो शरीर को धीरे-धीरे ऊर्जा देते हैं और फैट स्टोरेज को कम कर सकते हैं। सफेद चावल की तुलना में यह अधिक पोषक होता है और इंसुलिन स्पाइक्स भी कम करता है। हालांकि, वजन घटाने के लिए कुल कैलोरी और लाइफस्टाइल भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। सवालः क्या गर्भवती महिलाएं चावल खा सकती हैं? जवाबः हां, गर्भवती महिलाओं के लिए चावल एक अच्छा खाना हो सकता है, खासकर ब्राउन राइस, क्योंकि इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन बी और जरूरी मिनरल्स होते हैं जो गर्भावस्था में जरूरी होते हैं।फाइबर पाचन सुधारता है और कब्ज जैसी आम समस्याओं से राहत देता है। इसके अलावा, चावल में ग्लूटेन नहीं होता, जिससे यह पेट के लिए हल्का होता है। हालांकि, खाने की मात्रा संतुलित होनी चाहिए और हर महिला की स्थिति अलग होती है, इसलिए डॉक्टर से राय जरूर लें।

सवालः क्या रात में चावल खाना ठीक है? जवाबः हां, रात में चावल खाना नुकसानदेह नहीं है, खासकर अगर यह सही मात्रा और तरीके से खाया जाए। चावल में मौजूद अमीनो एसिड ट्रिप्टोफैन नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है। चावल आसानी से पचता है और अगर इसे कम तेल और मसाले में पकाया जाए, तो यह रात के भोजन के लिए भी उपयुक्त है। ब्राउन राइस की जगह सफेद चावल तेजी से पचता है, इसलिए जिन लोगों को रात में गैस या भारीपन की समस्या होती है, वे सफेद चावल चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि चावल की मात्रा सीमित रखें और उसके साथ प्रोटीन व फाइबर युक्त चीजें भी खाएं। सवालः किसे चावल नहीं खाना चाहिए? जवाबः चावल सामान्यतः सुरक्षित होता है, लेकिन कुछ विशेष स्थितियों में परहेज जरूरी हो सकता हैः जिन्हें चावल से एलर्जी होती है, रेयर है पर संभव है। क्रॉनिक डाइजेस्टिव डिसऑर्डर- जैसे आईबीएस या सीलिएक डिजीज वाले लोग। ब्लड शुगर बार-बार हाई रहने वाले डायबिटिक मरीज जिन्हें डॉक्टर ने कार्ब कंट्रोल की सलाह दी हो। इसके अलावा, प्रोसेस्ड सफेद चावल में फाइबर और पोषण कम होता है। इसलिए इसे बार-बार और बहुत ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए। ब्राउन राइस में फायटोलेट्स होते हैं, जो कुछ मिनरल्स के अवशोषण को धीमा कर सकते हैं। इसलिए उसे भी संतुलन में खाएं।

मानसून में बीमारियों से बचाएंगे ये सुपरफूड्स,जानें इस मौसम में क्या खाने से करें परहेज, अपनाएं 5 हेल्दी आदतें

नयी दिल्ली। बारिश की रिमझिम फुहारें भले ही गर्मी से

राहत देती हों, लेकिन ये मौसम कई बीमारियों को भी साथ लेकर आता है। हवा में बढ़ी नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से इस दौरान वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग जैसी दिक्कतें आम हो जाती हैं। इसकी असल वजह हमारी कमजोर होती इम्यूनिटी है। अगर समय रहते खानपान पर ध्यान न दिया जाए तो मामूली इन्फेक्शन भी बड़ी परेशानी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इस मौसम में ऐसा खाएं जो नेचुरल हो, डाइजेस्ट होने में आसान हो और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए।एनर्जेटिक और हेल्दी रखने के लिए क्या करें? इस मौसम में कैसी डाइट फॉलो करनी चाहिए? एक्सपर्टः अमृता मिश्रा, सीनियर

डाइटीशियन, नई दिल्ली से जानेंगे सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- बदलता मौसम हमारी इम्यूनिटी पर क्या असर डालता है?

जवाब- मानसून में तापमान गिरने और नमी बढ़ने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीरे हो जाता है। यानी खाना पचने की गति कम हो जाती है। नतीजतन, शरीर को उतनी एनर्जी नहीं मिल पाती जितनी जरूरत होती है। इससे थकान, भारीपन, गैस, अपच और भूख न लगने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कमजोर मेटाबॉलिज्म का सीधा असर इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है, जिससे शरीर इन्फेक्शन से जल्दी घिर सकता है। साथ ही इस मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जो आसानी से इन्फेक्शन फैलाते हैं। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है तो हल्की सी लापरवाही से सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी, गले की खराश या स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं जल्दी पकड़ लेती हैं। सवाल- मानसून में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कौन से फूड्स फायदेमंद हैं? जवाब- कुछ फल, सब्जियां, अनाज, दालें और नट्स ऐसे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में खास भूमिका निभाते हैं। इनमें जरूरी विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर होता है। यह शरीर को अंदर से ताकत देता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इन्हें रोजाना डाइट में शामिल करने से न केवल पाचन अच्छा रहता है, बल्कि मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी-जुकाम, बुखार और पेट की दिक्कतों से भी बचाव होता है। सवाल- इन फूड्स को खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- मानसून में खाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खाना। नमी और गर्माहट के चलते इस मौसम में खाने में जल्दी बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए हर चीज को साफ-सुथरा और सुपाच्य बनाकर खाना चाहिए। फल- अमरूद, पपीता, सेब जैसे फल ताजे और पूरी तरह धोकर खाएं। बेहतर होगा कि छिलका हटाकर या अच्छी तरह रगड़कर धोने के बाद ही खाएं, ताकि बिल्कुल गंदगी न रहे।सब्जियां- गाजर, भुट्टा (मक्का), भिंडी जैसी सब्जियों को हल्का उबालकर या भाप में पकाकर खाएं। इससे ये नरम हो जाती हैं। साथ ही जल्दी पचती हैं और इनमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। अनाज और दलिया- ओट्स, दलिया, मूंग दाल जैसी चीजें अच्छी तरह पकाकर और गर्म खानी चाहिए। ये हल्की होती हैं और पाचन में मदद करती हैं। बासी या अधपकी चीजों से बचें। ड्राई फ्रूट्स और सीड्स- खजूर और अंजीर को थोड़े गुनगुने पानी में भिगोकर खाना सबसे बेहतर होता है, इससे ये मुलायम हो जाते हैं और आसानी से पचते हैं। सवाल- मानसून में कौन से फूड्स से परहेज करना चाहिए? जवाब- मानसून में खाने-पीने को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है। इस मौसम में नमी और गंदगी के

कारण फूड आइटम जल्दी खराब होते हैं और उनमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ऐसे में कुछ चीजें खाने से न सिर्फ पाचन बिगड़ सकता है, बल्कि फूड पॉइजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझे कि किन फूड्स से इस मौसम में दूरी बनाना ही समझदारी है।सवाल- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी मजबूत रखने के लिए क्या खास ध्यान रखना चाहिए?जवाब- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी सामान्य लोगों की तुलना में कमजोर होती है, इसलिए मानसून में उनका खास ख्याल रखना जरूरी है। इम्यूनिटी मजबूत बनाए रखने के लिए नीचे कुछ जरूरी बातें अपनानी चाहिए। बच्चों के लिए ताजे फल, मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया जैसी हल्की और पौष्टिक चीजें खाने के लिए दें। बाहर का तला-भुना खाना, आइसक्रीम, कटे फल और पैकेट वाले जूस से बचाएं। ये जल्दी खराब होते हैं और इंफेक्शन फैला सकते हैं। बच्चों को रोज थोड़ा खेल-कूद या हल्की फिजिकल एक्टिविटी कराएं ताकि शरीर एक्टिव बना रहे।हाथ धोने की आदत बार-बार करवाएं, खासतौर पर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। नींद पूरी हो, ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करती है। कोशिश करें कि बच्चे तय समय पर सोएं और जागें। बुजुर्गों के लिए बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है, इसलिए उन्हें ऐसा खाना दें जो पचने में आसान और पौष्टिक हो। जैसे दलिया, उबली मूंग दाल, ताजे फल और गुनगुना पानी। बहुत ठंडी, बासी या बाजार की चीजें जैसे फास्ट फूड, कटे फल, ठंडा दूध या दही देने से बचें। ये पेट खराब कर सकते हैं। बुजुर्गों को गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और दिन में थोड़ी बहुत हल्की फिजिकल एक्टिविटी (जैसे वॉक या स्ट्रेचिंग) करवाएं। नींद पूरी हो और शरीर का आराम बना रहे। इसके लिए दिनचर्या नियमित रखें। अगर बुजुर्ग कोई दवा खाते हैं तो डॉक्टर से डाइट को लेकर सलाह जरूर लें क्योंकि कुछ दवाएं पाचन या भूख को प्रभावित कर सकती हैं।सवाल- खाने के अलावा कौन-सी आदतें इम्यूनिटी को मजबूत करती हैं? जवाब- सिर्फ अच्छा खाना ही नहीं, बल्कि कुछ रोज की आदतें भी हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। जैसेकि- हर दिन हल्का व्यायाम करें। 20-30 मिनट की वॉक, योग या स्ट्रेचिंग से शरीर एक्टिव रहता है और इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है। 7-8 घंटे की नींद लें। नींद पूरी न होने से शरीर थका रहता है और संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है। लगातार चिंता या टेंशन इम्यूनिटी को कमजोर कर सकती है। मेडिटेशन, गहरी सांस या म्यूजिक से राहत पाएं। कीटाणुओं से बचने के लिए साफ-सफाई बेहद जरूरी है, खासकर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। भूखा रहना या कम पानी पीना शरीर की ताकत को कमजोर करता है। हर 2-3 घंटे में कुछ हेल्दी जरूर खाएं और दिनभर में 7-8 ग्लास पानी पीना न भूलें।

ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से क्लीन स्वीप किया,वेस्टइंडीज को पांचवें टी-20 में 3 विकेट से हराया,ग्रीन-डेविड-ओवेन की तिकड़ी ने दिलाई जीत

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी-20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप

किया। बासेटेरे में खेले गए पांचवें और अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड, मिशेल ओवेन और कैमरन ग्रीन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत जीत हासिल की।वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 170 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 173 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 14 रन पर सलामी बल्लेबाज शाई होप आउट हो गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 22 रन पर पवेलियन लौटे। पावरप्ले में वेस्टइंडीज ने 3 विकेट खोकर 49 रन बनाए। 10 ओवर (ड्रिंक्स) तक स्कोर 4 विकेट पर 84 रन था।हेटमायर की साझेदारियों ने स्कोर को 150 के पार पहुंचाया शिमरन हेटमायर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। उन्होंने पहले शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 18 गेंदों में 32 रन जोड़े।

इसके बाद जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन और सातवें विकेट के लिए 15 गेंदों में 32 रन की साझेदारी की।इन साझेदारियों की बदौलत वेस्टइंडीज का स्कोर 170 तक पहुंचा। हेटमायर ने 31 गेंदों में 52 रन, रदरफोर्ड ने 18 गेंदों में 35 रन और होल्डर ने 15 गेंदों में 20 रन बनाए।ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन द्वारशुइस ने 4 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट और नाथन एलिस ने 3.2 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी रही खराब 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 12 रन पर सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल आउट हुए। जोश इंग्लिस 23 रन पर और मिशेल मार्श 25 रन पर पवेलियन लौटे। पावरप्ले में ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर 67 रन बनाए।

कैमरन ग्रीन ने संभाली पारी कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उन्होंने टिम डेविड के साथ चौथे विकेट के लिए 14 गेंदों में 35 रन और मिशेल ओवेन के साथ पांचवें विकेट के लिए 29 गेंदों में 63 रन की साझेदारी की। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन, डेविड ने 12 गेंदों में 30 रन और ओवेन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाए।वेस्टइंडीज की ओर से अकील होसैन ने 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने 3 ओवर में 36 रन देकर 2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने 2.1 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

फिनलैंड के महेश तांबे का टी-20 में वर्ल्ड-रिकॉर्ड,8 बॉल में 5 विकेट लिए; 2022 में बहरीन के जुनैद ने 10 गेंद में कारनामा किया था

नयी दिल्ली। फिनलैंड के महेश तांबे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट

में सबसे कम में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। ताबें ने एस्टोनिया के खिलाफ मैच में 8 गेंदों में 5 बैटर्स को पवेलियन भेजा। इससे पहले यह रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अजीज के नाम था, जिन्होंने 2022 में जर्मनी के खिलाफ केवल 10 गेंदों में 5 विकेट लिए थे। तांबे ने यह उपलब्धि रविवार को फिनलैंड और एस्टोनिया के बीच खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में हासिल की। इस मैच में फिनलैंड ने पहले गेंदबाजी करते हुए एस्टोनिया को 19.4 ओवर में 141 रनों पर समेट दिया। एक समय एस्टोनिया ने 2 विकेट पर 104 रन बना लिए थे और बड़ा स्कोर बनता दिख रहा था, लेकिन महेश तांबे ने शानदार गेंदबाजी से उनकी पारी को तहस-नहस कर दिया। तांबे ने स्टेफन गूच, साहिल चौहान, मुहम्मद उस्मान, रुपम बरुआ और प्रणय गीवाला के विकेट चटकाए। तांबे ने इन पांच बल्लेबाजों को मात्र 1.2 ओवर (8 गेंदों) में आउट किया। उन्होंने 2 ओवर में 19 रन देकर 5 विकेट लिए। फिनलैंड ने 5 विकेट से जीता मैच फिनलैंड ने 142 रनों का लक्ष्य 18.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया और यह मैच 5 विकेट से जीत लिया। फिनलैंड की ओर से अरविंद मोहन ने सर्वाधिक 67 रन बनाए। उन्होंने 60 गेंदों की नाबाद पारी में फराज मेहती अब्बास (19) और जॉर्डन ओ'ब्रायन (18) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ फिनलैंड ने टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले साल साइप्रस के खिलाफ मात्र 27 गेंदों में शतक जड़ा था। अब महेश तांबे ने एस्टोनिया के खिलाफ सबसे तेज 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता,वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला,भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

नयी दिल्ली। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का FIDE महिला

वर्ल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।दिव्या को रु42 लाख मिलेंगे FIDE विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग रु91 लाख मिलते हैं। दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

'हर सात साल में नया शरीर,क्या हमारी यादें भी नष्ट हो जाती हैं?'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 'कौशाकी सौंधी' नयी दिल्ली। हेड,

ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, शारदा यूनिवर्सिटी, आगरा बोर्ड ऑफ एडवाइजर - विभिन्न विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों मेंटोर ऑफ चेंज - नीति आयोग क्या आप जानते हैं कि वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार हर सात साल में हमारे शरीर की अधिकतर कोशिकाएं बदल जाती हैं? यह विचार हमें सोचने पर मजबूर करता है - अगर हमारा शरीर सात सालों में पूरी तरह नया बन जाता है, तो क्या हम भी एक नए व्यक्ति बन जाते हैं? और सबसे महत्वपूर्ण बात - क्या हमारी पुरानी यादें, अनुभव और पहचान भी मिट जाती हैं? यह विचार जितना रोचक है, उतना ही जटिल भी है। शरीर की कोशिकाएं अलग-अलग समय में खुद को पुनः निर्मित करती हैं। उदाहरण के तौर पर, त्वचा की कोशिकाएं लगभग हर 2 से 4 सप्ताह में बदल जाती हैं। रक्त की कोशिकाएं 3 से 4 महीने में, जबकि जिगर की कोशिकाएं लगभग एक वर्ष में। हड्डियों की कोशिकाओं को पूरी तरह नवीनीकरण में लगभग 10 साल लगते हैं। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि सात से दस वर्षों में हमारा शरीर काफी हद तक नया बन जाता है। लेकिन कुछ कोशिकाएं ऐसी भी होती हैं जो जीवनभर हमारे साथ रहती हैं - जैसे हमारे मस्तिष्क (ब्रेन) की न्यूरॉन्स। विशेष रूप से वे न्यूरॉन्स जो हमारी यादों, भावनाओं और सोचने की शक्ति से जुड़े होते हैं। यही कारण है कि हम अपने बचपन की बातें, प्रिय लोगों की यादें या बीते अनुभवों को जीवनभर याद रख सकते हैं। यादें केवल शरीर की कोशिकाओं में नहीं होतीं, वे दिमाग की संरचना और न्यूरॉन्स के आपसी जुड़ाव (synaptic connections) में संरक्षित रहती हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्मृतियाँ एक तरह की 'मस्तिष्कीय छाप' हैं, जो तब तक बनी रहती हैं जब तक उन न्यूरॉन्स के बीच संबंध जीवित रहते हैं। इसलिए, यह कहना सही नहीं होगा कि हर सात साल में हम पूरी तरह नए हो जाते हैं। शरीर के कई हिस्से जरूर बदलते हैं, लेकिन मस्तिष्क के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से जीवनभर स्थायी रहते हैं। यही हिस्से हमारी पहचान, अनुभव और सीख को संजोकर रखते हैं। फिर भी, यह विचार कि शरीर बदल सकता है, हमें प्रेरित करता है। यह दर्शाता है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। यदि हमारी कोशिकाएं स्वयं को पुनः बना सकती हैं, तो हम भी मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक रूप से खुद को विकसित कर सकते हैं। हर सात साल एक अवसर है - पुराने अनुभवों से सीखकर नया निर्माण करने का, पुराने दर्द को छोड़कर आत्मिक शांति की ओर बढ़ने का, और अपनी सोच, दृष्टिकोण और पहचान को नया रूप देने का। तो अगली बार जब कोई कहे कि 'तुम पहले जैसे नहीं रहे', मुस्कराइए। शायद आप सचमुच पहले जैसे नहीं रहे - बल्कि एक नए, बेहतर रूप में विकसित हो चुके हैं।

मध्य-पूर्व की शांति आगामी तूफानों का संकेत देती है

मध्य-पूर्व आज एक भ्रमित कर देने वाली शांति की स्थिति में है। गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला जैसे उग्रवादी समूहों और सीरिया में असद शासन के पतन ने इस क्षेत्र के चिरस्थायी तूफानों में क्षणिक

विराम ला दिया है। जिन छद्म युद्धों का दायरा तेहरान से बगदाद और दमिश्क होते हुए भूमध्य सागर तक फैला था, वो अब बिखरा हुआ मालूम होता है।यमन के हूती आज इकलौती ऐसी विघटनकारी शक्ति बने हुए हैं, जो लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के लिए खतरा बने हुए हैं, लेकिन उस क्षेत्रीय मोमेंटम के बिना जो कभी ईरान समर्थित रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को परिभाषित करता था।और इसके बावजूद इस स्थिरता के स्थायी रहने की संभावना नहीं है। उलटे यह एक और बड़े, विनाशकारी तूफान का केंद्र हो सकता है। संघर्ष के फिर से उभरने की स्थितियां न केवल बरकरार हैं, बल्कि और बढ़ गई हैं- खासकर इजराइली फौजों द्वारा गाजा में अभूतपूर्व हिंसा और विनाश के बाद। दुनिया ने देखा कि गाजा पर व्यवस्थित रूप से हमला किया गया, रहवासी बस्तियों को तहस-नहस किया गया और हजारों नागरिक मारे गए। इजराइल ने इसके लिए चाहे जिस राजनीतिक या सैन्य उद्देश्य का दावा किया हो, लेकिन जो तस्वीरें और नैरेटिव सामने आए, उन्होंने फिलिस्तीनियों, व्यापक अरब-जगत और मुस्लिम आबादी के बीच क्रोध, निराशा और पीड़ित होने की भावना को जन्म दिया है।गाजा का यह जनसंहार एक नई वैचारिक और उग्रवादी लहर के उभरने का आधार बन सकता है। यह समझना जरूरी है कि मध्य-पूर्व ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां ऐतिहासिक शिकायतें चुपचाप मिट जाती हों। बल्कि यह ऐसा क्षेत्र है, जहां पीढ़ियों तक पीड़ा की भावनाओं को संजोया जाता है और जहां प्रतिशोध लेना सांस्कृतिक मुद्रा और राजनीतिक साधन दोनों है।गाजा युद्ध ने इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को समाप्त नहीं किया, केवल इसके परिदृश्य को बदल दिया है। हमास के सैन्य और राजनीतिक रूप से कमजोर होने के साथ ही अब नए संगठनों के उदय का रास्ता खुल गया है, जो अपने लक्ष्यों और तरीकों में अधिक सुगठित, कट्टरपंथी और संभवतः अधिक अंतरराष्ट्रीय हों।इतिहास एक गंभीर मिसाल पेश करता है। आईएसआईएस का उदय शून्य में नहीं हुआ। यह इराक के सुन्नियों के राजनीतिक हाशिए पर जाने, सद्दाम हुसैन के बाथिस्ट तंत्र के विघटन और कब्जे के घावों से पैदा हुआ था।आईएसआईएस सिर्फ एक आतंकवादी समूह नहीं था, बल्कि एक अर्ध-राज्यीय शक्ति भी थी, जिसने सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया और समांतर युद्ध की वैश्विक समझ को उलट-पुलट कर दिया। आज पूरे क्षेत्र में ऐसे ही तत्व मौजूद हैं : मताधिकार से वंचित युवा, विस्थापित परिवार, पारंपरिक राजनीतिक ढांचों से मोहभंग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा त्यागे जाने की भावना। ये हालात कट्टरपंथ के लिए उपजाऊ हैं।इसके अलावा, गाजा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। विनाश के पैमाने और तीव्रता का अरब-जगत पर खासा प्रभाव पड़ा है। अरब सरकारों ने भले ही सतर्कतापूर्ण या दुविधापूर्ण रुख अपनाया हो, लेकिन जनभावनाएं नाटकीय रूप से भड़क उठी हैं।प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान और भूमिगत समर्थन नेटवर्क, सभी में तेजी से वृद्धि हुई है। यह राज्य की नीतियों- जो अक्सर व्यावहारिक राजनीति और विदेशी गठबंधनों द्वारा तय होती हैं- और उनकी जनता की नब्ज के बीच मौजूद एक बड़े अंतर को दर्शाता है।यह असंगति एक खतरनाक गतिशीलता पैदा करती है, जहां जनाक्रोश पारंपरिक राजनीतिक दायरे से बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। अगर इसे दबाया या नजरअंदाज किया गया तो यह ऊर्जा और भी गुप्त और हिंसक रूपों में अभिव्यक्त होगी।एक और अनदेखा किया गया पहलू गाजा युद्ध की अंतरराष्ट्रीय प्रतिध्वनि है। दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिम के मुस्लिम समुदायों ने इस पर गुस्से और पीड़ा के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ये अभिव्यक्तियां अभी प्रतीकात्मक हैं, लेकिन इतिहास हमें बताता है कि एकजुटता के आंदोलन जल्द ही सैन्य समर्थन प्रणालियों में विकसित हो सकते हैं।अगला उग्रवादी संगठन गाजा, लेबनान या सीरिया तक ही सीमित नहीं हो सकता है। यह भी याद रखें कि ईरान का प्रॉक्सी-मॉडल भले ही क्षतिग्रस्त हुआ हो, वह अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पीछे नहीं हटने जा रहा है। तुर्किये भी नए इस्लामवादी आंदोलनों का प्रायोजक बन सकता है।मध्य-पूर्व का मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य भले ही क्षणिक रूप से शांत लग सकता है, लेकिन यह शांति खतरनाक रूप से भ्रामक है। गाजा-संघर्ष के भावनात्मक, वैचारिक और रणनीतिक अभिप्राय धीरे-धीरे सामने आएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन)

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई

से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।उचित कीमत पर परिवहन देने से ये प्रवासी कर्मचारी अपने परिवार से मिलने वापस आएंगे और अपनी कमाई हुई राशि यहीं खर्च भी करेंगे। जब वे इतना अधिक खर्च परिवहन पर ही कर देंगे तो दूसरी चीजों पर उदारता के साथ खर्च नहीं कर पाएंगे। इस कारण राज्य आय से वंचित रहता है और उसकी अर्थव्यवस्था गति नहीं पकड़ पाती। फंडा यह है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर उचित मूल्य का परिवहन व्यवसाय करना राज्यों की आय बढ़ाता है और स्थानीय लोगों को उत्पादक बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। (एन. रघुरामन)

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की प्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों ही नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों में भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं। बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेजेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ़्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं। इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए। ऐसा कई बार मीटिंगरूम में करना मुश्किल हो जाता है।

राज्यसभा सभापति खिलाड़ी नहीं, अम्पायर की तरह हों

चौदह साल पहले दिल्ली की वो उमस भरी सुबह मुझे आज भी याद है। जीवन में पहली बार मैं

संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति से मिला था। वे तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। वह संसद में मेरा पहला दिन भी था। शपथ-ग्रहण के बाद उन्होंने पहली बार सांसद बने हम कुछ नेताओं को कॉफी पर बुलाया। बातचीत चलती रही। जब उन्होंने देखा कि गपशप करते हुए 15 मिनट से अधिक हो गए हैं, तो उन्होंने हमें चर्चा जारी रखने के लिए अपने घर पर बुलाया। हम कुछ दिनों बाद उनके घर भी गए। यह हमारे लिए रोमांचक था कि दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने हम जैसे नए सांसदों से मिलने के लिए समय निकाला। एक राजनयिक के रूप में हामिद अंसारी का लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा था। वे भारत सरकार के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब में राजदूत रहे थे। फिर वे भारत के 12वें उपराष्ट्रपति बने। कोलकाता में जन्मे अंसारी के बारे में जो बात कम ही लोग जानते हैं, वो ये है कि वे अपने कॉलेज के लिए मध्य क्रम के विकेटकीपर-बल्लेबाज भी थे। वास्तव में ईरान में राजदूत रहते हुए उन्होंने भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के लिए क्रिकेट शुरू करवाया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ईरान में इस खेल को लोकप्रिय बनाया। राज्यसभा के सभापति के तौर पर अंसारी ने विधान-परिषदों में कई इनोवेशन किए। संसद-सत्र के दौरान अंसारी रोज सुबह 10:30 से 10:55 तक कॉफी मीटिंग करते थे। सदन के नेताओं के साथ इस अनौपचारिक बातचीत से सत्तापक्ष और विपक्ष को दिन भर की कार्यवाही में सामंजस्य बनाने में मदद मिलती थी। सभापति के तौर पर अंसारी का एक नियम अटल था : कोई भी विधेयक हंगामे के बीच पारित नहीं होगा। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि तत्कालीन सरकार कोई भी कानून जबरन नहीं थोप सकती थी। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समय में बदलाव का पूरा श्रेय भी अंसारी को ही जाना चाहिए। बीते छह दशकों से प्रश्नकाल सुबह 11 बजे शुरू होता आ रहा था। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शून्यकाल होता था। अंसारी को लगा कि प्रश्नकाल अकसर हंगामे की भेंट चढ़ता है, क्योंकि सदस्य दिन की शुरुआत में ही महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं। 2014 में अंसारी ने इसमें बदलाव किया। अब राज्यसभा में पहले 11 बजे से शून्यकाल होता है, जिसमें सदस्य तात्कालिक जनहित के मुद्दे उठाते हैं। 12 बजे से प्रश्नकाल शुरू होता है। अंसारी के दृष्टिकोण को इस कथन से समझा जा सकता है- 'राज्यसभा का सभापति खिलाड़ी नहीं, बल्कि अम्पायर हैष्ठ यदि आप खिलाड़ी बनते हैं तो पक्षपाती हो जाते हैं।' सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली में सुखद जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। दूसरे जिन उपराष्ट्रपति के सम्पर्क में मुझे आने का सौभाग्य मिला, वे थे वेंकैया नायडू। एक अनुभवी सांसद, जो ग्रामीण विकास, शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, सूचना और प्रसारण के साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री भी रहे थे। इतिहास नायडू के प्रति उदार रहेगा, क्योंकि उन्होंने 20 सितम्बर 2020 को उस दिन सदन की अध्यक्षता नहीं की थी, जब विवादित कृषि कानून जबरन पारित कराए गए थे। शायद इसलिए क्योंकि वे कृषक-परिवार में जन्मे थे।उनका चैम्बर हो या सदन, दोनों ही जगह नायडू हर किसी से एक ही लहजे में बात करते थे- फिर चाहे वे सत्तापक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के। यह सराहनीय है। जब भी वे हमें उपराष्ट्रपति भवन में भोजन पर आमंत्रित करते थे तो वहां मिलने वाले आंध्रप्रदेश के स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नायडू को भी बराबर का श्रेय जाता है। एक बार उन्होंने कहा था कि भले ही वे बाहर सभापति होंगे, लेकिन घर में उनका भी एक गृहमंत्री है।नायडू को चुटीले 'वन लाइनर' बहुत पसंद थे। एक बार जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा रहे थे तो उन्होंने कहा था- 'लर्न, अर्न एंड रिटर्न'। यानी सीखना, कमाना और फिर लौट आना। जब उनसे राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा वे 'उषापति' बनकर ही खुश हैं।उनकी पत्नी का नाम उषा है। उनका एक और मशहूर कथन था- 'द लेफ्ट कैन नेवर बी राइट'। नायडू का हास्यबोध जितना अच्छा था, वे उतने ही भावुक भी थे। जब भावनात्मक मुद्दों पर चर्चा होती, उनकी आंखें नम हो जाया करती थीं।14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मेरे कॉलम का विषय होंगे। लेकिन किसी और दिन! भारत के 12वें उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी क्रिकेटप्रेमी और इनोवेटिव थे। वहीं 13वें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अपने हास्यबोध और भावुकता के लिए जाने जाते थे। दोनों ही अनुभवी और पद की गरिमा का ध्यान रखने वाले थे। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता आयुष्मान डे हैं)

डेरेक ओ ब्रायन

राज्यसभा में नड्डा बोले- खड़गे ने मानसिक संतुलन खोया,खड़गे नाराज हुए, तो नड्डा ने माफी मांगी,कमेंट रिकॉर्ड से हटाया गया

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल हुआ यह कि विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बहस की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, वह कुर्सी खाली करें। अगर कोई जिम्मेदार नहीं है तो पीएम जवाब दें। इस पर जेपी नड्डा ने कहा, 'उन्होंने (खड़गे) प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की है, उनकी तकलीफ समझ सकता हूं। 11 साल से उनको वहां बैठाए रखा है।' उन्होंने कहा कि वह (मोदी) दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पार्टी और देश के लिए गौरव का विषय है, लेकिन आप पार्टी से इतने जुड़ गए हैं कि देश गौण हो जाता है और मेंटल बैलेंस खोकर इस तरीके से बात कर रहे। इस पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। खड़गे नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि उनके मंत्री मेंटल बैलेंस खोकर बोलते हैं। उन्होंने (जेपी नड्डा) मुझे मेंटल कहा है, तो मैं इसे छोड़ने वाला नहीं हूं। इसके बाद जेपी नड्डा ने कहा कि अगर आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं इसके लिए आपसे माफी भी मांगता हूं। इसके बाद सदन के रिकॉर्ड से नड्डा का कमेंट हटाया गया। इससे पहले राज्यसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बहस की शुरुआत की। सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की हत्या करने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट के तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि भारत की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करने में हमारी सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की भूमिका की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत किसी हद तक जाएगा।राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि सरकार के पास सब कुछ के लिए पैसा है, अपने दोस्तों पर लुटाने के लिए लाखों-हजारों करोड़ रुपए हैं। लेकिन सेना के जवान को आपने अग्निवीर बनाकर 4 साल की योजना में जवान बना दिए उनकी तनख्वाह देने के लिए पैसे नहीं हैं आपके पास। बीएसएफ, सीआईएसएफ, पैरामिलिट्री फोर्स के जवान को पेंशन देने के लिए पैसे नहीं हैं आपके पास। शहीद का दर्जा देने के लिए पैसा नहीं है आपके पास। जिस पाकिस्तान ने भारत पर हमले किए, वो पाकिस्तान आपके सामने गिड़गिड़ाया और आप मान गए। हमारी बहनें भी तो गिड़गिड़ा रहीं थीं लेकिन वो आतंकवादी तो नहीं माने आप कैसे मान गए। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने कह दिया हम आगे कोई घटना नहीं करेंगे आप मान गए उनकी बात।नड्डा ने अपने बयान पर खड़गे से माफी मांगी

खड़गे पर दिए बयान के बाद नड्डा ने कहा- विपक्ष के नेता आदरणीय हैं हम उनका आदर करते हैं। मैंने शब्द वापिस लिए। आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं। लेकिन आप भाव आवेश में इतने बह गए कि पीएम की गरिमा को भी ध्यान में नहीं रख पाए।खड़गे बोले- नड्डा को माफी मांगनी चाहिए खड़गे बोले- मैं हमेशा इस सदन में दो चार मंत्रियों का बहुत आदर करता हूं। नड?डा उनमें से एक हैं। वो बैलेंस खोए बिना बात करते हैं, वो मुझे मेंटल बोल रहे हैं। ये शर्म की बात है। उन्हें माफी मांगना चाहिए। मैं छोड़ने वाला नहीं हूं।जेपी नड्डा ने खड़गे पर विवादित बयान दिया- जेपी नड्डा ने कहा कि सभी जवाब दिए जाएंगे, लेकिन मैं देख रहा था कि खड़गे जी हमारे सीनियर नेता हैं, उनके भाषण में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया उन्हें हटाने की रिक्वेस्ट करता हूं। पीएम दुनिया के सबसे मशहूर राजनेता हैं। यह देश के लिए भी गौरव का विषय है, लेकिन आप पार्टी से इतने जुड़ गए हैं कि देश का विषय गौण हो जाता है। इसलिए आप उन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।

मानसिक असंतुलन नहीं भावावेश में जो शब्द बोले हैं वो शब्द उनकी पार्टी से मेल नहीं खाते हैं, इसलिए उन्हें हटाया जाए।खड़गे बोले- मोदी को भगवान मत बनाओ- पहलगाम हमले पर कारगिल की तरह एक रिपोर्ट तैयार करें और बताएं। हर चीज को छिपाते रहेंगे तो कैसे चलेगा। ये भी आप करने को तैयार नहीं हैं। ये देश के इंटरेस्ट में हैं। हम आपका अपमान नहीं कर रहे हैं, लेकिन देश बड़ा है। इसलिए मिलकर काम करें। अपने फैलियर के लिए कांग्रेस को क्लेम करना बंद करो।लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना। वो (मोदी) जवाब नहीं देंगे, वो अपने दोस्तों मंत्रियों को छोड़ दिए हैं, उनसे कहेंगे कि जाओ जो कहना है कहो। 11 साल में कभी बहस में शामिल नहीं होते। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो। इससे देश का नुकसान होता है। राजनीति में भक्ति तानाशाही की तरफ ले जाती है। मैं 60 साल से राजनीति में हूं लेकिन मुझे गद्दार कहा गया। हमारे लोग गद्दार हैं, शर्म आनी चाहिए। अगर ये बात है तो गद्दार बाहर बोलते हैं, तो इसके बारे में आपकी क्या राय है।30 जून को इंडोनेशिया में डिफेंस अटैची ने कहा कि पॉलिटिकल कंसेंट्स ने मिलिट्री इंटेलिजेंस को हैम्पर किया, सरकार ने सेना की मदद नहीं की। दूसरी तरफ आप कहते हैं कि 100 किमी अंदर घुसकर हमने ये किया। आपके सेना के अधिकारी बोल रहे हैं, हमको कुछ करने ही नहीं दिया। 4 जुलाई को सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत, पाकिस्तान से नहीं चीन से ही लड़ रहा था। खेलो 'झूले में खेलो' उनके साथ, अहमदाबाद में 'झूले में खेलो' उनके साथ। ये वही चीन है, जिसे मोदी जी ने गलवान के बाद क्लीन चिट दी थी। तब पीएम ने कहा था कि न तो कोई घुसा है न घुस आया है। 19 जून 2020 को पीएम ने यह बात कही थी।मैं पूछना चाहूंगा कि हमारे सेना अधिकारियों के स्टेटमेंट पर उनका क्या कहना है। रक्षा मंत्री का कहना क्या है। ये जो सब मैंने कागज दिखाए, तो ये सब क्या हैं। हमें सभी जानकारी मीडिया से मिल रही थीं। असल में किसी भी जानकारी को पहले संसद के सामने रखना चाहिए, खासकर संवेदनशील मुद्दों पर हमें अवगत कराएंगे, देश के बारे में जो हमें नहीं कहना है, तो उसका ध्यान रहेगा। सेंसेटिव मैटर की चर्चा के लिए हम विशेष सत्र की मांग कर रहे थे। उस वक्त आप सभी ने कहा कि हम इस बात को खारिज कर दिया।खड़गे बोले- मोदी जी इवेंटबाजी से काम नहीं चलता- मैं अब सीधे-सीधे दो चार प्रश्न पूछूंगा तो उम्मीद करता हूं जवाब देंगे। किन शर्तों पर ये सीजफायर हुआ। आपने इसे क्यों स्वीकार किया। क्या यूएसए ने इसमें हस्तक्षेप किया अगर हां तो क्यों और किसके कहने पर किया। क्या यूएस प्रेसिडेंट ने यह सीजफायर किया जैसा वो बार-बार कह रहे हैं, अगर हां तो क्या यह भारत की तीसरी पार्टी पॉलिसी के खिलाफ नहीं है? विदेश मंत्री तो चले गए लेकिन मैं रक्षामंत्री को सुनाना चाहता हूं कि पहलगाम के बाद मोदी जी का यह सच सामने आ गया कि इवेंटबाजी से काम नहीं चलता। जिनको आप विश्व गुरु मानते हैं। इंदिरा, नेहरू से तुलना होती है। ट्रम्प से दोस्ती है। इसलिए हमारे चेयरमैन साहब चले गए। फॉरेन पॉलिसी का सच सामने आ गया। इवेंटबाजी बंद करो।

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस,प्रियंका की स्पीच के दौरान लगे हिंदू-हिंदू के नारे,नड्डा ने खड़गे से माफी मांगा

नयी दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस हो रही है। लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पहलगाम में मारे 25 लोगों को भारतीय कहते हुए सदन में एक-एक के नाम पढ़े। हर नाम के बाद सभी विपक्षी सांसद एक स्वर में 'भारतीय' कह रहे थे। इस दौरान सत्तापक्ष ने 'हिंदू-हिंदू' के नारे लगाए। गृह मंत्री अमित शाह और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच जोरदार बहस हुई। इसी बीच अखिलेश ने टोका तो शाह बोले- क्या आपकी पाकिस्तान से बात होती है। नड्डा ने कहा कि खड़गे अपना मेंटल बैलेंस खो रहे हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत माफी मांग ली।लोकसभा में अमित शाह ऑपरेशन महादेव के तहत पहलगाम आतंकियों को मारने की जानकारी दे रहे थे। इसी बीच अखिलेश यादव खड़े होकर उन्हें टोकते हुए कहते हैं- आका तो पाकिस्तान में है। इस पर शाह ने गुस्से में कहा- पाकिस्तान से आपकी

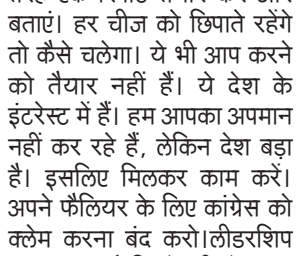

बात होती है क्या।आगे शाह कहते हैं- अखिलेश जी बैठ जाइए... मैं बताता हूं आका कैसे मारे गए। आपको पूरे जवाब मिल जाएंगे। इसी बीच में अखिलेश फिर से आतंकियों के धर्म को लेकर कुछ बोलते हैं। इस पर शाह ने कहा- भाई आप (अखिलेश जी) आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में कहा- पहलगाम हमले में 26 परिवार उजड़ गए। उनमें से 25 भारतीय थे। इस पर सरकार के सांसदों ने हंगामा करते हुए नारे लगाए कि वे सभी हिंदू थे। इसके बाद प्रियंका ने सभी 25 लोगों के एक-एक करके नाम पढ़े। उनके पक्ष के सांसदों ने साथ-साथ में भारतीय शब्द को दोहराया। इस दौरान प्रियंका ने कहा- लोग पहलगाम में सरकार के भरोसे गए थे, लेकिन सरकार ने लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया।आप कितने भी ऑपरेशन कीजिए। आपने 25 भारतीयों की कोई सुरक्षा नहीं की थी।लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दूबे हिंदी में बोल रहे थे। इस दौरान ट्रांसलेटर बंद हो गया। तमिलनाडु के सांसदों ने उनसे इंग्लिश में बोलने की मांग की। सभापति दिलीप सैकिया ने कहा कि कुछ टेक्निकल इशू है। इस पर निशिकांत ने कहा- ये प्रॉब्लम लोकसभा की है।

राहुल बोले- दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे,वे 29 बार सीजफायर कराने का दावा कर चुके,पाकिस्तान आर्मी चीफ को डिनर पर बुलाया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर सदन को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा-

मैं कहना चाहूंगा कि ये विजय उत्सव आतंकी हेडक्वॉर्टर्स को मिट?टी में मिलाने का है। उन्होंने कहा- इस सत्र के प्रारंभ में ही मैं जब मीडिया से बात कर रहा था, तब मैंने सभी सांसदों से कहा था कि यह सत्र भारत के विजय उत्सव का सत्र है। संसद का यह सत्र भारत के गौरव गान का सत्र है। मोदी से पहले राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।राहुल ने कहा- इंदिरा की तरह दम तो सदन में कहें ट्रम्प झूठे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने सदन में कहा कि हमने रात 1.35 बजे पर पाकिस्तान को यह बताया कि हमने आतंकी ठिकानों पर हमला किया है। यह एस्केलेटरी नहीं थी। अब कोई एस्केलेशन नहीं होना चाहिए। राहुल ने कहा, 'मैं कहता हूं आपने 35 मिनट में ही पाकिस्तान के सामने सरेंडर कर दिया। यह बता दिया कि आपके पास लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए। राहुल ने कहा कि अगर पीएम में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कहें कि ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर नहीं कराया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है। राहुल से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। पीएम ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते।राहुल गांधी ने सदन में कहा- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हमें यह नहीं बताया कि पहलगाम के बाद किसी भी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की, इसका मतलब है कि दुनिया हमारी तुलना पाकिस्तान से कर रही है।राहुल गांधी ने कहा कि भारत सरकार ने पूरी की पूरी पावर आतंकियों के हाथ में दे दी कि एक हमला करो और युद्ध हो जाएगा। उस पल को देखिए कि जिस समय एक आतंकी हमला होगा और पाकिस्तान से जंग शुरू की जा सकती है। यही इस सिचुएशन की हकीकत है। तीन महीने पहले ये लोग मेरे ऊपर हंस रहे थे, जब मैंने कहा था कि भारत की विदेश नीति फेल हो रही है। राहुल ने कहा कि आपको मुझ पर भरोसा नहीं तो जब डीजीएमओ लेवल की बातचीत हो रही थी, तब सामने आया कि पाकिस्तान को चीन से लाइव डेटा मिल रहा था।यह इस समय के लिए खतरनाक है कि पीएम अपनी इमेज बचाने के लिए सेना का इस्तेमाल कर रहे हैं। सेना का इस्तेमाल आजादी के लिए होना चाहिए, उनके हाथ नहीं बांधे जाने चाहिए। ट्रम्प को इसका मौका नहीं देना चाहिए था कि वह कहे कि मैंने जंग रोकी।उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखिए कि किसी भी देश ने पाकिस्तान का विरोध नहीं किया, बल्कि आतंकवाद की निंदा की है। कल की पूरी बहस में रक्षा मंत्री ने एक बार भी चाइना का नाम नहीं लिया।इसका मतलब है कि वे डरे हुए हैं। चाइना और पाकिस्तान का फ्यूजन, बहुत खतरनाक हो सकता है। हमें ऐसा पीएम नहीं चाहिए जिसके अंदर यह कहने का दम न हो, कि जाओ और खत्म करो काम को, जैसे इंदिरा गांधी ने कहा था।जब बड़ी ताकतें लड़ रही हो तो भारत को पीछे नहीं हटना चाहिए। आपकी पीआर, इमेज से सेना बहुत बड़ी है। अपनी घटिया राजनीति के लिए सेना का इस्तेमाल न करें।राहुल ने कहा कि पाकिस्तान सेना का प्रमुख ट्रम्प के साथ डिनर करता है। जो पूरी ऑपरेशन का मास्टर माइंड था। ट्रम्प ने कहा था कि मैं मुनीर का शुक्रिया करना चाहता हूं कि वे जंग के लिए आगे नहीं बढ़े। न्यू नॉर्मल की बात करें तो यही न्यू नॉर्मल है कि पाकिस्तानी आतंकवाद का मास्टरमाइंड ट्रम्प के साथ लंच कर रहा है। भारत सरकार ने पूरी की पूरी पावर आतंकवादियों के हाथ में दी, कि एक हमला करो और युद्ध हो जाएगा। उस पल को देखिए कि जिस समय एक आतंकी हमला होगा, और पाकिस्तान से जंग शुरू की जा सकती है। यही इस सिचुएशन की हकीकत है। तीन महीने पहले ये लोग मेरे ऊपर हंस रहे थे, जब मैंने कहा था कि भारत की विदेश नीति फेल हो रही है। आपको मुझ पर भरोसा नहीं तो जब डीजीएमओ लेवल की बातचीत हो रही थी, तब सामने आया कि पाकिस्तान को चीन से लाइव डेटा मिल रहा था।भारत के डीजीएमओ ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की रात पाकिस्तान को बताया था। दो लोगों के बीच लड़ाई हो रही थी, एक आदमी ने दूसरे को सीधे जाकर यह बताया कि आपके पास लड़ने की पॉलिटिकल विल है ही नहीं आप लड़ना ही नहीं चाहते हो। हम एस्केलेशन नहीं चाहते हैं आप जवाब न दीजिए। भारत सरकार ने जाकर उनको बताया कि हम लड़ाई नहीं चाहते हैं। हमने 35 मिनट में सरेंडर कर दिया।राजनाथ जी ने यह बताया कि हमने पाकिस्तान से कहा था कि हमने आपके सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है।राहुल ने कहा- राजनाथ सिंह जी ने अपने भाषण में 1971 का जिक्र किया। उस समय के पीएम ने कहा कि जिसको आना है आ जाओ हमारा जो काम है हम उसे पूरा करेंगे। जनरल सैम मानेकशॉ ने इंदिरा जी से कहा कि मैं ऑपरेशन गर्मी में नहीं कर सकता हूं, इंदिरा ने उनसे कहा कि आपको जितना समय चाहिए लीजिए, आपको फ्रीडम ऑफ एक्शन होना चाहिए। एक लाख पाकिस्तानी सोल्जर सरेंडर किए, नया देश बना।राहुल ने कहा- सर, टाइगर को पूरी फ्रीडम देनी पड़ती है। आप उसे बांध नहीं सकते हो। अगर आपको उससे पूरा काम लेना है तो छूट देनी पड़ेगी। दो शब्द हैं- पॉलिटिकल विल और फुल फ्रीडम, अगर आप सेना के लिए काम करना चाहते हो, आपके पास पॉलिटिकल विल होनी चाहिए। दूसरा, सेना का प्रयोग करना चाहते हो तो उसके फुल फ्रीडम देना होगी।कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल बोले- असली गुनहगार कौन है?लोकसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- असली गुनहगार कौन है? आपने ही तो कहा था कि कश्मीर सुरक्षित है।

ख़बरे ज़रा हटके

बैक्टीरिया की पॉटी से कैसे निकला 24 कैरेट गोल्ड?

हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा बैक्टीरिया खोजा है, जो जहरीली मिट्टी को खाकर पॉटी में 24 कैरेट सोना निकालता है। इस अनोखे बैक्टीरिया का नाम 'कप्रीएविडस मेटालिड्यूरन्स' है। यह जहरीली मिट्टी में रहता है और सोना-तांबा जैसी धातुओं को पचाता है। दरअसल, ये बैक्टीरिया अपने अंदर एक खास केमिकल प्रोसेस करता है, जिससे जहरीली धातुओं को सोने के महीन कणों में बदल देता है, और फिर उन्हें बाहर निकाल देता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये खोज सोने के माइनिंग के तरीके को पूरी तरह बदल सकती है। आज सोने की खुदाई से पर्यावरण को बहुत नुकसान होता है, पर इस बैक्टीरिया की मदद से कम प्रदूषण में, सस्ते में और टिकाऊ तरीके से सोना निकाला जा सकेगा। यह इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट और खदान के बचे हुए हिस्से से भी सोना निकालने में मदद कर सकता है, जिससे कचरा भी काम आ जाएगा।

नमक से 10 गुना कैसे बढ़ेगी बैटरी की क्षमता?

सऊदी अरब के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा नमक खोजा है, जिससे बैटरी की पावर 10 गुना ज्यादा बढ़ जाएगी। वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन बैटरियों में पानी का घोल इस्तेमाल होता है, उनमें 'फ्री वाटर' नाम के कण होते हैं, जो बैटरी को जल्दी खराब कर देते हैं। अब ऐसा पाया गया कि अगर जिंक सल्फेट जैसा एक खास 'नमक' मिला दिया जाए, तो ये 'फ्री वाटर' कण कंट्रोल हो जाते हैं, और बैटरी की लाइफ अचानक 10 गुना बढ़ जाती है! ये 'नमक' बहुत सस्ता है और आसानी से मिल जाता है, जिससे बैटरियां सस्ती और ज्यादा सेफ बनेंगी। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि ये खोज सौर ऊर्जा जैसे बड़े बिजली सिस्टम के लिए बैटरी बनाने में बहुत काम आएगी, क्योंकि ये लिथियम बैटरियों से ज़्यादा सुरक्षित और टिकाऊ होंगी।

गूगल मैप ने शख्स को क्यों दिए 11 लाख रूपए?

हाल ही में गूगल को एक अजीबोगरीब मामले में लगभग 11 लाख रुपए का जुर्माना भरना पड़ा। दरअसल, गूगल स्ट्रीट व्यू की कार ने एक शख्स को उसके अपने घर के पिछले हिस्से में नग्न अवस्था में ही कैमरे में कैद कर लिया था।यह घटना 2017 में अर्जेंटीना में हुई थी। इसके खिलाफ शख्स ने 2019 में कोर्ट में केस किया। इसमें कहा कि इस तस्वीर से उसकी बहुत बेइज्जती हुई और उसे अपने काम और पड़ोसियों के बीच मजाक का सामना करना पड़ा। गूगल ने तस्वीर में उसका घर नंबर या गली का नाम भी धुंधला नहीं किया था। पहले तो कोर्ट ने केस खारिज कर दिया, लेकिन बाद में एक ऊपरी अदालत ने शख्स के हक में फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि यह 'निजता का सीधा उल्लंघन' है, क्योंकि तस्वीर घर के अंदर की ली गई थी।

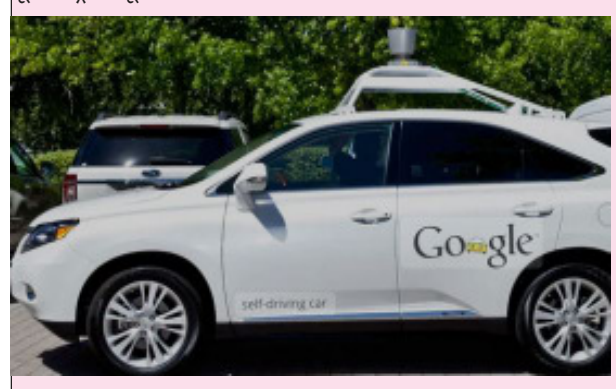

किस देश में सिर्फ 100 पुलिसकर्मी, जेल खाली पड़े है?

स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच बसा एक छोटा सा देश है लिचटेंस्टीन, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर और खुशहाल देशों में होती है। यहां का क्राइम रेट करीब जीरो है। पूरे देश में सिर्फ 100 पुलिस अधिकारी हैं, और जेल में इस वक्त केवल सात लोग बंद हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस देश की अपनी कोई भाषा या मुद्रा भी नहीं है। यहां लोग स्विस फ्रैंक का इस्तेमाल करते हैं और ज्यादातर जर्मन बोलते हैं। अमीर देश होने के बावजूद यहां कोई एयरपोर्ट नहीं है, इसलिए विदेश यात्रा के लिए लोगों को पड़ोसी देश से फ्लाइट लेनी पड़ती है।बिना काम किए भी होती है कमाई इस देश में लोगों को कमाने के लिए भी नौकरी या काम करने की खास जरूरत नहीं पड़ती। यहां लोग रियल एस्टेट, रॉयल्टी, पर्यटन और अन्य व्यवसायों से कमाई करते हैं। इस देश पर ना तो कोई बाहरी कर्ज है और ना ही नागरिकों से ज्यादा टैक्स वसूला जाता है। पूरी दुनिया से लोग यहां की प्राकृतिक सुंदरता देखने पहुंचते हैं।

दुनिया के सबसे महंगे आम को छत पर कैसे उगाया?

कर्नाटक के जोसेफ लोबो नाम के एक किसान अपनी छत पर दुनिया के सबसे महंगे आम, 'मियाजाकी' उगाते हैं। यह आम रु2.5 लाख से रु3 लाख प्रति किलो बिकता है, फिर भी जोसेफ इसे बाजार में नहीं बेचते, बल्कि अपने दोस्तों और परिवार को मुफ्त में बांट देते हैं। जोसेफ का कहना है कि उन्होंने इसे व्यवसाय नहीं बनाया, क्योंकि 'ईश्वर ने हमें प्रकृति का वरदान दिया है और बदले में वह चाहता है कि हम दूसरों के साथ उदारता से बांटें।' जोसेफ ने 2010 में अपनी छत पर ही खेती शुरू की थी और 2015 में हाइड्रोपोनिक तरीके (बिना मिट्टी के पानी में खेती) अपनाई। अब वे मियाजाकी आम के पौधे ?3000 में बेचते हैं और खेती सिखाते भी हैं।

पाकिस्तानी वोटर आईडी-चॉकलेट से हुई पहलगाम के आतंकियों की पहचान,लोकसभा में शाह बोले- हमले के दिन प्लानिंग की, 3 महीने ट्रैक किया, फिर घेरकर मारा

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरुआत में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन आतंकियों ने बायसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान हैं। ये तीनों आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे। शाह ने बताया, 'पाकिस्तानी वोटर आईडी-चॉकलेट से पहलगाम के आतंकियों की पहचान की। हमले के दिन प्लानिंग की, 3 महीने ट्रैक किया फिर घेरकर मारा। हमारे पास इसके सबूत भी हैं।' उन्होंने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।शाह सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले- शाह ने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा, आतंकवाद, सोनिया, चिदंबरम, अटलजी, मनमोहन सिंह, चीन, कश्मीर, आर्टिकल 370 का जिक्र किया। लेकिन अमेरिका, सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले। ऑपरेशन सिंदूर से ऑपरेशन महादेव कैसे चलाया, इसकी जानकारी दी।शाह के स्पीच की 7 बड़ी बातें, कहा- कांग्रेस पीओके मांगना भूल गई- शिमला में समझौता हुआ, पीओके मांगना ही भूल गएः 'इंदिराजी ने पाकिस्तान के 2 टुकड़े किए। यह बहुत बड़ी विजयी थी और हम सब भी इस पर गर्व करेंगे, लेकिन युद्ध की चकाचौंध में हुआ क्या। शिमला में समझौता हुआ, पीओके मांगना ही भूल गए। अगर उस वक्त पीओके मांग लेते, तो ना रहता बांस न बजती बांसुरी। पीओके तो मांगना ही भूल गए, 15 हजार वर्ग किमी की जीती जमीन भी दे दी।' पाक के 195 अफसरों को छोड़ दियाः 'पाकिस्तान के 195 अधिकारियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलना था, भुट्टो उन्हें इंदिरा जी के सामने से छुड़ाकर ले गया।

संजय दत्त हुए 66 के, 308 से ज्यादा अफेयर का दावा,तीन शादियां, खलनायक बनकर इंडस्ट्री में राज किया,क्या रेखा लगाती हैं इनके नाम का सिंदूर

मुंबई। 29 जुलाई 1959 को सुनील दत्त और नरगिस के घर जन्मे संजय दत्त ने अपनी दमदार एक्टिंग से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता है। बतौर बाल कलाकार अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म 'रेशमा और शेरा' से करियर की शुरुआत करने वाले संजय दत्त ने तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई है। नाम, काम, प्यार, विवाद संजय दत्त के जीवन के अहम पहलू रहे हैं। उन्हीं में से उनके जीवन के एक खास पहलू प्यार को आज उनके जन्मदिन पर करीब से जानने की कोशिश करेंगे। कभी संजय के अफेयर की चर्चा जोरों पर थी। बताया जाता है कि उनके 308 से ज्यादा लड़कियों से अफेयर रहे हैं। टीना मुनीम, माधुरी दीक्षित और रेखा जैसी अभिनेत्रियों के साथ उनका नाम जुड़ चुका है। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने रेखा से शादी भी कर ली थी। रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। आखिर इसके पीछे सच्चाई क्या है? आए जानते हैं। रेखा और संजय दत्त फिल्म 'जमीन आसमान' में साथ नजर आए थे। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेखा से मंदिर में जाकर शादी कर संजय दत्त से शादी कर ली थी। दोनों कई हफ्ते तक घर से

गायब रहें। दोनों ने अपने घर में किसी को कुछ नहीं बताया। जैसे ही रेखा और संजय दत्त की शादी की बात सुनील दत्त को पता चली तो वो बहुत नाराज हुए। उन्होंने संजय दत्त को ढूंढा और उनकी शादी रिचा शर्मा से करवा दी। रेखा संजय दत्त से करीब 5 साल बड़ी हैं। उन्होंने रेखा को संजय से दूर रहने की सलाह दी थी। क्या अभी भी रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं? इसे जानने से पहले संजय दत्त की तीन चर्चित शादियों के बारे में जानते हैं। संजय दत्त की ऋचा शर्मा से शादी 1987 में हुई। ऋचा और संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त न्यूयॉर्क में रहती हैं। शादी के बाद ऋचा को कैंसर हो गया। उन्होंने इस बीमारी का इलाज अमेरिका में कराया। उनकी तबीयत में सुधार भी आया।

हालांकि बाद में फिर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और 32 साल की उम्र में 10 दिसंबर 1996 को निधन हो गया था। ऋचा शर्मा ने देवानंद की फिल्म 'हम नौजवान' के अलावा 'अनुभव', 'इंसाफ की आवाज', 'सड़क छाप' जैसी फिल्मों में काम किया था।रिचा के निधन के बाद संजय की जिंदगी में मॉडल रिया पिल्लई आईं। दोनों एक-दूसरे

को पहले से जानते थे। वे एक-दूसरे के करीब उस समय आए थे, जब संजय को मुंबई ब्लास्ट केस में जेल जाना पड़ा। उस समय रिया ने संजय का साथ नहीं छोड़ा। संजय ने अपने मुश्किल समय में रिया पिल्लई को साथ देखा और उनका यही स्वभाव संजय के दिल को भा गया। जेल से बाहर आने के बाद संजय ने वैलेंटाइन डे के मौके पर रिया को प्रपोज किया और 14 फरवरी 1998 शादी कर ली। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया गया- शादी के बाद संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली और शूटिंग में बिजी हो गए। इसकी वजह से वो रिया को समय नहीं दे पा रहे थे। इसकी वजह से दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगी और शादी के दस साल के बाद 2008 में तलाक हो गया। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया, जिससे वह लोगों की नजरों में विलेन बन गए।

हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि संजय दत्त उस समय मान्यता के करीब आ गए थे तो रिया टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस को डेट करने लगीं। दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए और तलाक का केस फाइल कर दिया। यासिर उस्मान ने अपनी किताब 'द क्रेजी अनटोल्ड स्टोरी ऑफ बॉलीवुड बैड बॉय संजय दत्त' में इस बात का जिक्र किया है कि उस वक्त बॉलीवुड में सभी को लग रहा था कि संजय दत्त ने धोखा दिया है, लेकिन संजय दत्त ने तलाक के बदले रिया पिल्लई को बांद्रा में दो फ्लैट भी दिए। वहीं, अपनी दो कंपनियों देजा वू एंटरटेनमेंट और ग्लोबल एंटरटेनमेंट के शेयर भी रिया के नाम कर दिए थे।तीसरी शादी मान्यता से दूसरी पत्नी रिया पिल्लई से तलाक के बाद संजय दत्त ने तीसरी शादी मान्यता से 7 फरवरी, 2008 को गोवा के ताज एक्सोटिका में की। शादी के 2 साल कपल ने 21 अक्टूबर 2010 को अपने खूबसूरत जुड़वां बच्चों शाहरान (बेटा) और इकरा (बेटी) का स्वागत किया। बताया जाता है कि संजय और मान्यता की शादी में संजय की बहनें नहीं शामिल हुईं और न ही मान्यता को अपनी भाभी के रूप में स्वीकार किया। हालांकि पिछले कुछ सालों में चीजें बदल गई हैं। अब मान्यता का अपनी ननदों के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है।कौन हैं मान्यता दत्त? मान्यता दत्त का असली नाम दिलनवाज शेख हैं। प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' में मान्यता ने आइटम नंबर किया था। इस फिल्म में उनके आइटम सॉन्ग 'चौक चौराहे' और 'अल्हड़ जवानी' काफी पॉपुलर हुए थे। मान्यता ने बी और सी ग्रेड की कुछ फिल्मों में भी काम किया था। शादी के बाद उन्होंने न सिर्फ अपना नाम बदला बल्कि इंडस्ट्री को भी हमेशा के लिए छोड़ दिया। अब वो संजय दत्त प्रोडक्शंस की सीईओ हैं। संजय दत्त की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इसी लिए तो राजकुमार हिरानी ने उनकी जिंदगी पर फिल्म 'संजू' बना दी। फिल्म संजू में बताया गया था कि संजय दत्त के 308 से ज्यादा अफेयर्स रहे हैं। हालांकि इस पर खुद संजय दत्त ने कभी कुछ कहा नहीं, सिवाय इसके कि यंग एज में उनके अफेयर्स रहे हैं। इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान संजय दत्त ने कहा था कि उन्होंने एक साथ तीन महिलाओं को डेट किया था। संजय दत्त का नाम टीना मुनीम, रेखा, माधुरी दीक्षित और लीजा रे जैसी एक्ट्रेसेस के साथ नाम जुड़ चुका है। टीना मुनीम को लेकर बहुत पैशनेट थे-

टीना मुनीम और संजय दत्त बचपन के दोस्त थे। 80 के दशक में वे एक-दूसरे के करीब आए। संजय दत्त ने एक बार 'स्टारडस्ट' से बातचीत में टीना मुनीम के लिए अपनी फीलिंग्स बताई थीं। उन्होंने कहा था कि वह टीना को लेकर बहुत पैशनेट थे। वह उनकी जिंदगी में बहुत अहमियत रखती थीं। संजय दत्त की साली ने माधुरी को 'घर तोड़ने वाली' बताया था- बताया

जाता है कि संजय दत्त और माधुरी दीक्षित फिल्म 'साजन' की शूटिंग के दौरान एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। एक्टर की पहली पत्नी रही ऋचा शर्मा उन दिनों कैंसर से जूझ रही थीं और वे बीमारी के दिनों में अमेरिका अपने पेरेंट्स के पास आ गई थीं। एक तरफ संजय दत्त अपनी पहली पत्नी ऋचा से दूर थे, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी माधुरी संग नजदीकियां बढ़ रही थीं। ऋचा शर्मा की बहन ने माधुरी पर गंभीर आरोप लगाते उन्हें 'घर तोड़ने वाली' बताया था और कहा था कि वह इंसान नहीं है क्योंकि उसने मेरी बहन का घर तोड़ा है। हालांकि जब संजय दत्त का नाम मुंबई बम ब्लास्ट केस के दौरान घर में अवैध हथियार रखने के लिए सामने आया तब माधुरी ने एक्टर से दूरी बना ली और दोनों का ब्रेकअप हो गया था।क्या संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं रेखा? कुछ साल पहले लेखक यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' का हवाला देकर संजय दत्त के साथ रेखा की शादी की बात छपी थी। दावा किया गया था कि रेखा आज भी संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। यह खबर खूब सुर्खियों में रही। अमिताभ को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं- कुछ वेबसाइट में किताब का हवाला देते हुए खबर छपी थी कि जब अमिताभ रेखा से दूर चले गए थे और विनोद मेहरा से उनकी शादी टूट गई थी तो वो बहुत अकेली हो गई थीं। उसी दौरान संजय दत्त के साथ रेखा फिल्म 'जमीन आसमान' में काम कर रही थीं। दोनों एक दूसरे के करीब आए और शूटिंग खत्म होते-होते शादी कर ली। खबर के मुताबिक रेखा ने ये भी मान लिया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं। रेखा ने सिंदूर लगाना फैशन माना था- रेखा ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी के रिसेप्शन में मांग में सिंदूर लगाकर पहुंची थीं। तब हर किसी की नजर रेखा के सिंदूर पर ठहर गई थी। रेखा के सिंदूर को अमिताभ बच्चन से भी जोड़ा गया था, लेकिन जब चर्चा बढ़ने लगी तो रेखा ने सिंदूर पर सफाई देते हुए कहा था कि वो जहां से आती हैं, वहां सिंदूर लगाना फैशन माना जाता है। किताब के लेखक का दावा-

बहरहाल, अब बात करते हैं उस किताब के बारे में जिसको आधार बनाकर रेखा के साथ संजय दत्त के रिश्ते की चर्चा हुई। यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' 15 अगस्त 2016 को लोगों के बीच आई थी। उस किताब के बारे में दावा किया जाता है कि रेखा की जिंदगी पर लिखी गई किताबों में ये सबसे विश्वसनीय और सही है। किताब के लेखक यासिर उस्मान ने उन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'किसी एक वेबसाइट ने शरारत करते हुए खबर छापी, उसके बाद देश की तमाम बड़ी एंटरटेनमेंट वेबसाइट्स ने इस खबर को बिना किसी पड़ताल के छाप दिया। किताब में अफवाह का किया गया खंडन- रेखा द अनटोल्ड स्टोरी के पेज नंबर 162 पर लिखा है कि 1984 में एक दिन, पता नहीं कहां से, ये खबर उड़ी कि रेखा ने संजय दत्त से शादी कर ली है। हालांकि सच ये था कि संजय दत्त एक खराब दौर से गुजर रहे थे और रेखा उनकी मदद करने की कोशिश कर रही थीं। उस समय दोनों की साथ में फिल्म 'जमीन आसमान' भी रिलीज हो रही थी। इस फिल्म को भी इन अफवाहों से थोड़ा बहुत फायदा मिला। संजय ने बाद में इस कथित शादी का आधिकारिक रूप से खंडन कर दिया था। किताब में न ही उनके घर से भागने के बारे में कुछ लिखा है और सिंदूर शब्द का तो इस्तेमाल तक नहीं किया गया है। हालांकि, इस अफवाह का जिक्र जरूर था, जिसका खंडन किताब में किया गया था। नायक नहीं, खलनायक बन कर दर्शकों के दिलों पर राज किया- जिंदगी में तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद संजय दत्त ने बॉलीवुड में जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी आम एक्टर के लिए आसान नहीं था। अपने दमदार अभिनय और संवाद अदायगी से संजय दत्त ने बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है। संजय दत्त ने अपने करियर में विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाया है, लेकिन उनके खलनायक और गैंगस्टर वाले किरदारों को विशेष रूप से सराहा गया है। उनकी संवाद अदायगी की शैली ने उन्हें एक लोकप्रिय और यादगार अभिनेता बना दिया है।

एक्टर राज कुमार राव ने जालंधर कोर्ट में किया सरेंडर,2017 में रिलीज हुई फिल्म को लेकर दर्ज हुई एफआईआर, 30 को सुनवाई

जालंधर। वर्ष 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'बहन होगी तेरी' को लेकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में दर्ज मामले में फिल्म अभिनेता राज कुमार राव को जालंधर कोर्ट ने जमानत दे दी है। न्यायाधीश सृजन शुक्ला की अदालत में राव का केस चल रहा था। इस दौरान राव खुद शाम के 4 बजे कोर्ट में पहुंचे और सरेंडर कर दिया। जिसके बाद न्यायाधीश शुक्ला ने उन्हें जमानत दे दी। इस केस की अगली सुनवाई 30 जुलाई को निर्धारित की गई है। यह मामला थाना डिवीजन नंबर 5, जालंधर में वर्ष 2017 में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता, जो कि एक स्थानीय शिवसेना नेता और फिल्म के निर्माता बताए जा रहे हैं, ने आरोप लगाया था कि फिल्म में भगवान शंकर को अनुचित ढंग से दर्शाया गया है, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत के आधार पर, फिल्म के निर्देशक नितिन कक्कड़, निर्माता अमूल विकास मोहले, अभिनेत्री श्रुति हासन और अभिनेता राज कुमार राव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया

था।हालांकि, राज कुमार राव ने पहले ही अदालत से अग्रिम जमानत ले ली थी, लेकिन पिछली सुनवाई में अदालत में पेश न होने के कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। इसके चलते उन्हें आज अदालत में स्वयं उपस्थित होकर आत्मसमर्पण करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें फिर से जमानत मिल गई।इस मामले को लेकर लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया जारी है, और अब अदालत ने इसकी अगली सुनवाई 30 जुलाई 2025 को निर्धारित की है। माना जा रहा है कि आने वाली सुनवाई में केस की प्रकृति को देखते हुए कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हो सकती है। फिलहाल, राज कुमार राव की ओर से इस प्रकरण पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं आया है। वहीं, शिकायतकर्ता पक्ष इसे आस्था से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए इसे आगे तक ले जाने की बात कह चुका है।

सुष्मिता सेन के लिए एक्स रोहमन ने लिखा इमोशनल नोट-बोले- हम न तो प्रेमी ना अजनबी, हमारा रिश्ता नाम और पहचान से ऊपर

मुंबई। सुष्मिता सेन और मॉडल रोहमन शॉल भले ही रोमांटिक रिलेशनशिप में नहीं

हैं लेकिन अक्सर एक-दूसरे के साथ नजर आते हैं। दोनों की दोस्ती और बॉन्डिंग कमाल की है। रोहमन ने सुष्मिता से मिलने की सातवीं एनिवर्सरी पर एक इमोशनल नोट शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी और सुष्मिता की एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है। फोटो में वो सुष्मिता को हग करते नजर आ रहे हैं। फोटो कैप्शन में वो लिखते हैं- 'आज सात साल हो गए। कुछ कहानियां, रिश्तों के नाम बदल जाते हैं लेकिन उनके मायने नहीं बदलते। मैंने तुम्हें शतरंज सिखाया था। अब तुम मुझे इसमें बेरहमी से हरा देती हो। तुमने मुझे स्विमिंग सिखाया, जबकि मुझे पानी से डर लगता था। साथ ही, मुझे सबसे अच्छे हेयर कट देने के लिए शुक्रिया। हमने अपना रोल, डर और ताकतें बदल लीं। शह-मात और पानी के बीच कहीं, हमारा रिश्ता किसी नाम और पहचान से ऊपर है। हम न तो लवर हैं, न अजनबीष्ठ थोड़ा कोमल, थोड़ा दुर्लभ। तुम कभी मेरी सेफ प्लेस थी और किसी तरह, अब भी हो। हमारे बीच जो प्यार था और अब जो दोस्ती है उसके लिए आभारी हूं।' बता दें कि सुष्मिता और रोहमन इंस्टाग्राम के जरिए मिले थे। साल 2018 में दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। साल 2021 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। रोहमन की वर्कफ्रंट की बात करें तो वो साउथ की फिल्म आमरण में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा वो मॉडलिंग से जुड़े प्रोजेक्ट में दिखते हैं।

18 की उम्र में पूजा बनर्जी ने भागकर शादी की,कहा- पहली शाम हुआ गलती का एहसास, वो पलट गया था,फिर एक्टर कुणाल से की दूसरी शादी

मुंबई। हाल ही में किडनैपिंग का आरोप लगने से सुर्खियों में रहीं एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने अपनी पहली शादी टूटने पर शॉकिंग खुलासा

किया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि शादी की पहली शाम ही उन्हें गलती का एहसास हो गया था। इसके बाद शादीशुदा होते हुए ही उनकी जिंदगी में एक्टर कुणाल की एंट्री हुई और उन्होंने पहले पति को छोड़कर कुणाल से शादी कर ली। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि उनके पूर्व पति का अफेयर उन्हीं के दोस्त की गर्लफ्रेंड से था। सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में पूजा बनर्जी ने पहले पति को छोड़कर कुणाल से शादी करने पर बात की। उन्होंने कहा, जब मेरी शादी हुई, 'मैं 18 साल की थी। तब मैंने घर से भागकर शादी की थी। जब मैंने शादी की तो उसी शाम मुझे एहसास हो गया कि ये एक गलती है, क्योंकि वो पूरी तरह पलट गया था। जिस इंसान को मैं जानती थी, जिससे मैं प्यार करती थी, जिसके लिए मैंने अपने पेरेंट्स को छोड़ा और सब कुछ छोड़ दिया, वो बिल्कुल उससे उल्टा था, जैसा मैंने उसके बारे में सोचा था। उस वक्त मुझे समझ नहीं आ रहा था। मैं घर वापस नहीं जाना चाहती थी, क्योंकि मैंने अपने पेरेंट्स को बुरा महसूस करवाया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि करूं तो क्या करूं।'आगे एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने बताया है कि जब वो कुणाल से मिलीं तो उनकी शादीशुदा जिंदगी ऐसी थी, जैसे दो अजनबी एक छत के नीचे बस साथ रह रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'हम दोनों एक दूसरे के लिए जिंदा नहीं थे। अगर मैं घर में आती थी, तो वो मुझे देखता भी नहीं था।' जिस समय पूजा बनर्जी ने टीवी शो में कुणाल के साथ तुझ संग प्रीत लगाई में काम किया था, तब वो पति के साथ ही रह रही थीं। सेट में ही उनकी और को-स्टार कुणाल की दोस्ती हुई थी। उन्होंने कुछ समय बाद पति को छोड़ दिया और फिर कुणाल से शादी कर ली। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि शादी में रहते हुए ही उनके पति का अफेयर दोस्त की गर्लफ्रेंड से चल रहा था। तलाक के बाद उन्होंने गर्लफ्रेंड से शादी भी कर ली है।

कपल के खिलाफ किडनैपिंग करने की शिकायत दर्ज हुई है एक्ट्रेस पूजा बनर्जी और उनके पति कुणाल वर्मा के खिलाफ गोवा में केस दर्ज किया गया है। दोनों पर आरोप लगा है कि उन्होंने बंगाली फिल्म प्रोड्यूसर श्याम सुंदर डे का अपहरण कर 23 लाख रुपए वसूले। इस मामले को लेकर पूजा और कुणाल ने मीडिया के सामने आकर अपनी सफाई दी और आरोपों को खारिज किया। पूजा ने कहा कि इस घटना से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया।पूजा ने कहा- 'हम श्याम सुंदर डे को 3 से 4 साल से जानते हैं। उन्होंने मुझे बताया था कि वह किसी व्यक्ति से 16 फिल्मों के राइट्स खरीद रहे हैं। फिर वह इन्हें किसी टीवी चैनल को बेचेंगे। इस डील की कुल कीमत लगभग 2.25 करोड़ रुपए थी, जिससे उन्हें लगभग 3.85 करोड़ रुपए कमाने की उम्मीद थी। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं किसी को इन्वेस्ट करने के लिए मना सकूं तो

साइन केयर प्रोडक्शन द्वारा निर्मित हिंदी बॉलीवुड फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा का पोस्टर हुआ लॉन्च

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

चंडीगढ़। साइन केयर प्रोडक्शन द्वारा निर्मित हिंदी बॉलीवुड फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा का पोस्टर हुआ लॉन्च फिल्म के निर्माता निर्देशक प्रवीण कुमार ने बताया की फिल्म में सभी कार्य पूर्ण हो चुका है आइटम सॉन्ग बहुत जल्दी ही फिर में शामिल होगा जिसकी शूटिंग अगस्त माह में जिला मेरठ में होने की संभावना है फिल्म में आइटम गर्ल की भूमिका में प्रियंका चंडीगढ़ से शामिल है फिल्म के मुख्य कलाकार पंकज सिवाच मलकीत सिंह आरती पाल शोएब राणा गजेंद्र सिंह वीरेंद्र कुमार शौकीन अल्वी निर्मला योगेंद्र तोमर अनीता त्यागी सुनील कश्यप श्रीपाल यादव आदि हैं फिल्म का संगीत

अंकित सिन्हा गीत डॉक्टर अवनीश राही है फिल्म की शूटिंग दिल्ली उत्तर प्रदेश उत्तराखंड में की गई है फिल्म बहुत जल्द ही सिनेमाघर में दस्तक देगी फिल्म एक सामाजिक और प्यार मोहब्बत एक्शन से भरपूर है

संजय कपूर के बिजनेस विवाद से करिश्मा का लेना-देना नहीं,संपत्ति में हिस्सा मांगने का दावा गलत

मुंबई। करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद से ही उनके परिवार में बिजनेस और वसीयत पर विवाद हो गया है। इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार दावे किए जा रहे थे कि करिश्मा कपूर ने भी उनके शेयर्स में हिस्सा मांगा है, हालांकि ये दावे पूरी तरह बेबुनियाद हैं। हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया ने संजय कपूर के परिवार से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से लिखा है, करिश्मा कपूर किसी भी उत्तराधिकार विवाद में शामिल नहीं हैं, उनका कोई दावा नहीं है और न ही वह संपत्ति में कोई हिस्सा चाहती हैं। वो बस अपने बच्चों के भविष्य के लिए चिंतित हैं। करिश्मा द्वारा शेयर मांगे जाने के दावे तब सामने आए थे, जब संजय कपूर की मां रानी कपूर ने कंपनी सोना कोमस्टार की सालाना मीटिंग से पहले स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि कंपनी की असल उत्तराधिकारी वो खुद हैं।

नजदीक आकर कहा था, तुम्हारे होंठ सेक्सी हैं, लग रहा है किस कर लूं जेनिफर मिस्त्री ने फिर असित मोदी पर लगाए संगीन आरोप

मुंबई।तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में मिसेज रोशन सोढ़ी का रोल निभाने वालीं जेनिफर

मिस्त्री ने कुछ समय पहले शो छोड़ दिया है। शो छोड़ने के बाद उन्होंने शो के प्रोड्यूसर पर वर्बल सेक्शुअल हैरेसमेंट और पेमेंट न देने के आरोप लगाए थे। अब जेनिफर ने एक इंटरव्यू में बताया है कि असित मोदी ने सिंगापुर में शो की शूटिंग के दौरान बदसलूकी की थी। एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने हाल ही में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में बताया है कि बीते साल शो की शूटिंग सिंगापुर में हुई थी। उस समय असित मोदी बार-बार उनसे कहते थे कि तुम्हारी रूम मेट बाहर जाती है, तुम मेरे कमरे में आओ, हम विस्की पिएंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस ने वो इंसिडेंट भी शेयर किया, जब असित मोदी ने उन्हें किस करने की इच्छा जाहिर की थी। जेनिफर ने कहा, 'सुबह 10 बजे की बात होगी। मैं कॉफी लेने गई थी, वो भी कॉफी लेने जा रहे थे। वो तुरंत मेरे बहुत पास आ गए और बोले तुम्हारे होंठ बहुत सेक्सी हैं, ऐसा लगता है पकड़कर किस कर लूं। मैं ये सुनकर मेरे हाथ पैर ठंडे पड़ गए। मैंने सोचा मेरे पति भी नहीं हैं यहां, ये लोग बैठकर शराब पीते हैं कोई रात को रूम में आ गया तो मैं क्या करूंगी। मेरी रूममेट भी नहीं होती।'जेनिफर ने बताया है कि इस इंसिडेंट के बाद उन्होंने को-स्टार मंदार (भिड़े का रोल निभाने वाले) को इसकी शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई मदद नहीं की। इसके बाद उन्होंने सोढ़ी का रोल निभाने वाले गुरुचरण को ये बात बताई। तो उन्होंने मस्ती मजाक के अंदाज में असित मोदी को जेनिफर से दूर रहने को कहा। इसके बाद जेनिफर ने ये बात बबीता जी उर्फ मुनमुन दत्ता को बताई, जिसके बाद मुनमुन दत्ता ने असित मोदी को फटकार लगाई थी। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया है कि असित मोदी, मुनमुन दत्ता से डरते थे। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि इसके अलावा भी असित मोदी कई बार उनसे अभद्र भाषा में बात कर चुके थे। असित के अलावा प्रोडक्शन टीम के सोहेल ने भी उनके साथ गाली-गलौज की थी। एक्ट्रेस ने इसकी शिकायत भी दर्ज करवाई है, हालांकि इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

सलमान खान ने गले में अड़ा दी थी असली चाकू,गले से बहने लगा था खून, अशोक सराफ ने बताया जागृति फिल्म की शूटिंग का डरावना अनुभव

मुंबई। बॉलीवुड के सीनियर एक्टर अशोक शराफ ने हाल ही में फिल्म जागृति की शूटिंग का एक डरावना किस्सा शेयर किया है, जहां

उनके साथ एक बड़ा हादसा हो सकता है। एक्टर ने बताया है कि सलमान खान की गलती के चलते उनके गले में चाकू लग गया था। हाल ही में रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में अशोक सराफ ने कहा है कि स्क्रिप्ट के मुताबिक सलमान को उन्हें पकड़ना था और उनके गले में चाकू अड़ाना था। सलमान ने चाकू की नोंक उनके गले में रख दी, जबकि चाकू असली थी। सलमान के डायलॉग बोलते ही अशोक ने खुद को छुड़वाने की कोशिश की, जिससे सलमान ने चाकू पर और जोर लगा दिया। जिससे उनके गले में कट लग गया।इसके बाद अशोक सराफ ने सलमान से कहा कि उनका गला कट रहा है। ये सुनकर सलमान ने कहा, मैं क्या करूं। इस पर सीनियर एक्टर ने उन्हें चाकू उल्टा पकड़ने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। सलमान ने उनके गले पर चाकू अड़ाई और चलाना शुरू कर दिया। जैसे ही एक्टर ने उन्हें छोड़ा तो पता चला कि उनके गले में कट लगा चुका था। अशोक सराफ ने बातचीत में कहा है, सोचिए अगर गले की नस कट जाती तो?एक्टर ने बताया है कि वो इंसिडेंट को कभी नहीं भूलेंगे। बता दें कि अशोक सराफ 1969 से हिंदी और मराठी सिनेमा का हिस्सा हैं। एक्टर घर घर की कहानी, बड़े घर की बेटी, जागृति, करण अर्जुन, गुप्त, बंधन, प्यार किया तो डरना क्या, यस बॉस, जोरू का गुलाम, क्या दिल ने कहा और सिंघम जैसी कई दर्जनों फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। अशोक सराफ को पॉपुलर टीवी शो हम पांच में अशोक माथुर का रोल निभाने पर काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके अलावा वो टीवी शो प्रोफेसर प्यारेलाल में भी नजर आ चुके हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।